●वर्ष : 16 ●अंक : 213 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08

RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

मंगलवार 26 नवम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

'जिन्हें जनता ने बार-बार नकारा, वे ही लोकतंत्र का अनादर कर रहे': मोदी

>>'जिन्हें जनता ने नकारा, वे संसद में चर्चा नहीं होने देते'

'लोकतांत्रिक परंपरा में हर पीढ़ी का काम करना है अगली पीढ़ी को तैयार करें, लेकिन 80-90 बार जनता ने जिनको लगातार नकार दिया है, वे न संसद में चर्चा होने देते हैं और न ही लोकतंत्र की भावना का सम्मान करते हैं। न ही वे लोगों की आकांक्षाओं को समझते हैं। उसका परिणाम है कि वे जनता की उम्मीदों पर कभी भी खरे नहीं उतरते। इसके चलते जनता को उन्हें बार-बार रिजेक्ट करना पड़ रहा है।'

>> 'मुट्ठी भर लोग संसद को कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे'

प्रधानमंत्री ने कहा 'कल संविधान सदन में सब मिलकर के इस संविधान के 75वें वर्ष के उत्सव की मिलकर शुरूआत करेंगे। संविधान निमार्ताओं ने संविधान निर्माण करते समय एक-एक बिंदू पर बहुत विस्तार से बहस की है, तब जाकर ऐसा उत्तम दस्तावेज हमें प्राप्त हुआ है। इसकी महत्वपूर्ण ईकाई है हमारी संसद। हमारे सांसद भी और हमारी संसद भी। संसद में स्वस्थ चर्चा हो, ज्यादा से ज्यादा लोग चर्चा में अपना योगदान दें। दुर्भाग्य से कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए, जिनको जनता ने अस्वीकार किया है, वे संसद को भी, मुट्ठी भर लोगों की हुड़दंग बाजी से कंट्रोल करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। उनका अपना मकसद तो संसद की गतिविधि रोकने से ज्यादा सफल नहीं होता और देश की जनता उनके सारे व्यवहारों को देखती है और जब समय आता है, तब सजा भी देती है।

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत में मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों से संसद में स्वस्थ चर्चा करने की अपील की। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए संसद में चर्चा न होने देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'साल 2024 का ये अंतिम कालखंड चल रहा है। देश पूरी उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में लगा हुआ है। संसद का ये सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। अब सबसे बड़ी बात है कि हमारे संविधान के 75 साल की यात्रा, 75वें साल में उसका प्रवेश, ये अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है।' पीएम मोदी ने कहा कि 'साथियों ये सदन लोकतंत्र के आम चुनाव के बाद देश की जनता को अपने-अपने राज्यों में कुछ स्थानों पर अपनी भावना, अपने विचार प्रकट करने का अवसर मिला है। उसमें भी 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों को और अधिक ताकत दी गई है और अधिक समर्थन का व्याप बढ़ा है। लोकतंत्र की ये शर्त है कि हम जनता-जनार्दन की भावनाओं का आदर करें उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए लगातार मेहनत करें।

समाचार

ढाई साल के मासूम को चेहरे पर मारी गोलियां, चाकू से गोदा

इंफाल हिंसाग्रस्त मणिपुर के जिरिबाम जिले में अपहरण किए छह लोगों को बड़ी नृशंसता से मारा गया था। उग्रवादियों में किस कदर हैवानियत भरी थी इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ढाई साल के बच्चे को चेहरे पर गोलियां मारकर मौत के घाट उतारा था। यही नहीं उसके सीने और हाथ को चाकू से गोदा गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने के बाद यह खुलासा हुआ है। बच्चे का पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक भी शव की हालत देखकर सिहर गए थे। जब चेहरे पर गोलियां मारने से हमलवरों का जी नहीं भरा तो उसके पूरे शरीर पर हमला किया। उसकी दाहिनी आंख भी गायब मिली है। रविवार को छह में तीन लोगों के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट सामने आई है। महिला लेशराम हेइतोम्बी देवी (25) को उसके सीने के पीछे तीन बार गोली मारी गई थी। चौथी गोली पीछे मारी गई थी। गोलियों से उसके दिल, फेफ-ड़े और पसलियां कट गईं जिससे उसकी मौत हो गई। युरेम्बम रानी देवी (68) को पांच गोलियां लगीं एक सिर में, दो छाती में, एक पेट में और एक बांह में। अभी अन्य लोगों की रिपोर्ट आनी बाकी है। मणिपुर सरकार ने कहा है कि योजनाबद्ध अपहरण और हत्याएं कुकी उग्रवादियों द्वारा की गईं। मामले की जांच एनआईए कर रही है। गौरतलब है कि 11 नवंबर को जिरिबाम के बोरोबेकरा इलाके में राहत शिविरों से कुकी उग्रवादियों ने मैतेई समुदाय के छह लोगों को अगवा कर लिया था। उनके शव जिरिबाम में जिरी नदी और असम के कछार में बराक नदी में पाए गए थे। इसके बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों से लोगों और संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया।

सीएम माझी ने सुभद्रा योजना के तहत 20 लाख महिलाओं को बांटा धन

राउरकेला ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को 'सुभद्रा योजना' के तहत 20 लाख महिलाओं को धन वितरण की शुरूआत की। यह धन वितरण का तीसरा चरण था। अब तक 80 लाख महिलाओं को योजना की पहली किस्त के रूप में 5,000 रुपये मिल चुके हैं। राज्य की इस वित्तीय योजना का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को अनावरण किया था। इस योजना के तहत, 21 से 60 वर्ष की पात्र महिलाओं को 2028-29 तक पांच वर्षों में 50,000 रुपये मिलेंगे। उन्हें सालाना 10,000 रुपये दो समान किस्तों में मिलेंगे, जो सीधे उनके बैंक खातों में जमा किए जाएंगे। सीएम माझी ने सुंदरगढ़ जिले में आयोजित एक समारोह के दौरान तीसरे चरण का वितरण शुरू किया। इस मौके पर केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम, डिप्टी सीएम प्रावती परिदा और पंचायती राज मंत्री रबी नारायण नाइक समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

विधानसभा के चुनावों के निहितार्थ

हर राज्य की अपनी अहमियत है। लेकिन राजनीतिक लिहाज से देखें तो उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा महत्व अगर किसी राज्य का है तो वह महाराष्ट्र है। देश की आर्थिक राजधानी इस राज्य की राजधानी है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों के मुकाबले 48 सीटों के साथ दूसरा बड़ा राज्य महाराष्ट्र है। राजनीतिक हलकों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी होने के लिए भारतीय जनता पार्टी सदा विपक्षी निशाने पर रहती है, उस संघ का मुख्यालय भी इसी राज्य में है। इस लिहाज से महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों का असर दूरगामी होना स्वाभाविक है। मराठी मानुष ने जो जनादेश दिया है, उसका असर देश की राजनीति पर तो पड़ेगा ही, अर्थनीति पर भी पड़ेगा। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर भी कई बदलाव नजर आ सकते हैं। देश की राजनीति पर झारखंड के चुनाव नतीजों का भी पड़ना ही है। इसका असर दिखने लगा है। इंडिया गठबंधन की अगुआई राहुल गांधी से छीनने को लेकर आवाज उठने लगी है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से मांग आ भी गई है कि मोदी को चुनौती देने के लिए जरूरी है कि इंडिया गठबंधन की कमान राहुल गांधी की बजाय ममता बनर्जी को दी जाय। महाराष्ट्र के क्षत्रप शरद पवार को लेकर हाल ही में कहा जाने लगा था कि उनके बिना महाराष्ट्र की सत्ता की कल्पना नहीं की जा सकती। इस धारणा को ढाई साल पहले बीजेपी ने तोड़ दिया था। एकनाथ शिंदे की अगुआई में शिवसेना में टूट हुई और सबसे ज्यादा 104 विधायक होने के बावजूद बीजेपी ने अपने कद्दावर नेता देवेंद्र फणनवीस को शिंदे का सहयोगी बनने के लिए राजी कर लिया। इस सरकार के कार्यकाल में हुआ लोकसभा चुनाव में बीजेपी की अगुआई वाली महायुति को समर्थन नहीं मिला। बीजेपी और शिवसेना-शिंदे- दोनों को लोकसभा सीटों का नुकसान झेलना पड़ा। लेकिन इससे बीजेपी और शिवसेना दोनों ने सीख ली। बीजेपी ने अपने पारंपरिक गढ़ विदर्भ पर फोकस तो किया ही, गैर मराठा वोटरों पर भी अपना ध्यान लगाया। मराठवाड़ा में शिवसेना शिंदे और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पर भरोसा जताया। नतीजा सामने है। पार्टी ने इस बीच एक काम और किया। उसने माझी लड़की बहीण योजना लागू की। इसके तहत 21 से 65 साल तक की उम्र वाली पात्र महिलाओं को पंद्रह सौ रूपए महीने दिए जाने लगे हैं। राज्य की करीब एक करोड़ महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलने लगा है। इसका फायदा महाराष्ट्र की महायुति सरकार को हुआ है।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

शरद पवार ने स्वीकार की MVA की हार, बोले-

हमें अभी काफी काम करने की जरूरत

मुंबई एनसीपी शरद गुट के प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी की हार स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद अब काफी अधिक आश्वस्त हो गए थे, लेकिन महाराष्ट्र के परिणाम के बाद लगता है कि हमें अभी काफी काम करने की जरूरत है। कराड में शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। हम कारणों का अध्ययन करेंगे और लोगों के पास जाएंगे। यह लोगों का फैसला है। बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी महाराष्ट्र चुनाव में महायुति की जीत का कारण हो सकती है।

महाराष्ट्र में 2024 के विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला दो प्रमुख गठबंधनों के बीच रहा। पहला भाजपा शिवसेना और एनसीपी (अजित गुट) का गठबंधन, जिसकी इस वक्त सरकार है। वहीं, विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना (यूबीटी) शामिल हैं। नतीजों में 288 सदस्यीय विधानसभा में महायुति को 235 सीटें मिली हैं। दूसरी ओर महाविकास अघाड़ी को 54 सीटें मिली हैं। इसमें कांग्रेस को 16, शिवसेना उद्धव को 20 और एनसीपी शरद को महज 10 सीटों पर जीत मिल सकी।

लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद अजित पवार के भविष्य पर सवाल उठाए जा रहे थे। दरअसल, तब अजित सिर्फ एक सीट जीतने के साथ करीब 3 फीसदी वोट ही हासिल कर पाए थे। इसके उलट, शरद की पार्टी 8 सीटें जीतने में कामयाब हुई थी। हालांकि विधानसभा चुनाव के नतीजे ने अजित का पलड़ा भारी कर दिया। अजित गुट को शरद गुट के 12 सीटों के मुकाबले 39 सीटों पर जीत हासिल हुई है। अजित वाली एनसीपी के मत प्रतिशत में भी करीब सात फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जाहिर है नतीजे से शरद पवार की मुश्किलें बढ़ेंगी। भविष्य में उनकी पार्टी के कई और नेता अजित के खेमे में जा सकते हैं।

एनसीपी संस्थापक को सभी जानते हैं : शरद

शरद पवार ने कहा कि अजित पवार को महाराष्ट्र चुनाव में अधिक सीटें मिलीं, लेकिन हर कोई जानता है कि एनसीपी संस्थापक कौन हैं। मैंने बारामती में अजित पवार के खिलाफ युगेंद्र पवार को मैदान में उतारकर कोई गलत निर्णय नहीं लिया था। यहां से किसी को तो चुनाव लड़ना ही था।

तृणमूल सांसद ने कांग्रेस से अहंकार किनारे करने को कहा, ममता को इंडिया का नेतृत्व सौंपने की मांग की

कोलकाता पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव में सभी छह सीटों पर जीत हासिल करने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के हौसले बुलंद हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद कल्याण बनर्जी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस को अपना अहंकार किनारे रखना चाहिए और ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व सौंपना चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की हार को लेकर भी कांग्रेस की आलोचना की। कल्याण बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को चुनौती देने के लिए एकीकृत और निर्णायक नेतृत्व की जरूरत पर जोर दिया। टीएमसी सांसद ने जोर देते हुए कहा कि ममता बनर्जी के सिद्ध नेतृत्व और जमीन से जुड़ाव ने उन्हें विपक्षी गठबंधन में सबसे उपयुक्त चेहरा बना दिया है।

आदित्य बने शिवसेना यूबीटी के विधायक दल के नेता, पांच साल तक विधायकों को एकजुट रखने की चुनौती

बीएमसी चुनाव में होगी आदित्य ठाकरे के नेतृत्व की परीक्षा

विधानसभा चुनाव में करारा झटका लगने के बाद शिवसेना उद्धव के सियासी भविष्य पर सवालिया निशान भी लग गया है। अब उद्धव गुट की असली चुनौती मुंबई के बीएमसी चुनाव में होगी। देश की सबसे अमीर नगर पालिका बीएमसी पर अभी शिवसेना का कब्जा है और बीते 30 वर्षों से बीएमसी पर शिवसेना (संयुक्त) का एकछत्र राज है। अब नई सरकार में बीएमसी के चुनाव कराए जाएंगे। ऐसे में शिवसेना यूबीटी पर अब अपने बीएमसी के किले को बचाने की चुनौती है।

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना यूबीटी ने आदित्य ठाकरे को विधायक दल का नेता चुना है। पार्टी के नेता अंबादास दानवे ने बताया कि मुंबई में विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें आदित्य ठाकरे को नेता चुना गया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद आदित्य ठाकरे के सामने पूरे पांच साल तक अपने विधायकों को एकजुट रखने की सबसे बड़ी चुनौती होगी। विधायक दल की बैठक उद्धव ठाकरे के निवास मातोश्री में हुई, जिसमें सर्वसम्मति से आदित्य ठाकरे को दोनों सदनों का नेता चुना गया। साथ ही पार्टी विधायक सुनील प्रभु को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया। गौरतलब है कि हालिया विधानसभा चुनाव में शिवसेना उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका लगा और पार्टी को सिर्फ 20 सीटों पर जीत हासिल हुई। आदित्य ठाकरे मुंबई की वर्ली सीट से चुनकर विधानसभा पहुंचे।

ट्रेन में बुजुर्ग को पड़ा दिल का दौरा, टिकट अधिकारी ने बचाई जान

रेलवे मंत्रालय की तरफ से एक टिकट परीक्षक (टीटीई) की तरफ से कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने वाले 70 वर्षीय यात्री की सीपीआर से जान बचाने का एक वीडियो साझा किया गया है। इस वीडियो में, रेलवे ने टीटीई की 'जीवनरक्षक' के रूप में प्रशंसा की, क्योंकि उसने ट्रेन में निचली बर्थ पर लेटे एक बुजुर्ग व्यक्ति को बचा लिया था। इस वीडियो को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी अपने सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किया है।

कांग्रेस नेता ने शरद-उद्धव गुट पर फोड़ा हार का ठीकरा, कहा-

योजना के तहत प्रचार नहीं किया

मुंबई। कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी. परमेश्वर ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणामों पर रविवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी गठबंधन सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जैसी योजना बनाई गई थी, वैसा चुनावी अभियान चलाने में विफल रहीं।

परमेश्वर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के पर्यवेक्षक थे। उन्होंने कहा, लडकी बहिन योजना उनके लिए काफी प्रभावशाली रही। पिछले छह महीनों तक उन्होंने इसे प्रचारित किया,ये सब उनके हाथ में था। आखिरकार हमने टिकटों का एलान कर दिया और पार्टी में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। शरद पवार और उद्धव ठाकरे के गुट आपस में अच्छी तरह से गठबंधन नहीं बना पाए, उन्होंने जैसी योजना बनाई गई थी, वैसा प्रचार नहीं किया। खासकर विदर्भ में हमें कम सीटें मिलीं।

कांग्रेस नेता ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर भी सवाल उठाया और कहा, हमें जो जानकारी मिली है, वह हैरान करने वाली है कि ईवीएम को हर सीट में नहीं बल्कि चुनिंदा तरीके से हैक किया गया। मेरा मानना है कि उन्होंने ईवीएम को हैक किया है।

'विदर्भ क्षेत्र से थी 50 सीट मिलने की उम्मीद'

उन्होंने आगे कहा, हमें विदर्भ से कम से कम 50 सीटें मिलने की उम्मीद थी। लेकिन चुनाव परिणाम इसके विपरीत आए। परमेश्वर ने कहा, महाराष्ट्र में कांग्रेस और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने बहुत खराब प्रदर्शन किया है। यह हर कोई जानता है। हमने और महाराष्ट्र के कुछ नेताओं ने कल एक साथ बैठकर विश्लेषण किया। पूर्व मुख्यमंत्री (राजस्थान) अशोक गहलोत और भूपेश बघेल (छत्तीसगढ़) और हम एक साथ बैठे।

कांग्रेस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन

महा विकास अघाडी (एमवीए) के घटक दल के रूप में कांग्रेस ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन उसे सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा और उसे सिर्फ 16 सीटों पर जीत मिली। यह कांग्रेस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भी कहा कि 1977 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने महाराष्ट्र में 48 सीटों में से केवल 20 सीटों पर जीत हासिल की थी, जो अब तक का सबसे कम आंकड़ा था।

कंगना रनौत का उद्धव ठाकरे पर हमला, कहा-

देश तोड़ने की बात करने वालों को जनता ने सिखाया सबक

शिमला पदकपभाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की जीत के बाद शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश को तोड़ने की बात करने वालों को जनता से सबक सिखाया है। कांग्रेस को जनता ने जवाब दिया है। बलिदान देकर ये देश बना है। कुछ मूर्खों के इकट्ठे हो जाने से देश के टुकड़े नहीं हो सकते। हिमाचल के भुंतर हवाई अड्डे पर दिल्ली रवाना होने से पहले कंगना रनौत ने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने विकास और स्थिर सरकार के लिए वोट दिया है। महायुति की जीत को लेकर हर कार्यकर्ता उत्साहित है। हमारी पार्टी की यह ऐतिहासिक है। हम पूरे महाराष्ट्र और पूरे देश की जनता का धन्यवाद करते हैं।

भाजपा आलाकमान जल्द ही अगले मुख्यमंत्री का फैसला करेगा। हमारी पार्टी की विचारधारा के तहत सीएम का चयन किया जाएगा। हमारे पास एक से बढ़कर नेतृत्व के लिए लोग हैं। मंडी से सांसद ने कहा कि प्रचार के दौरानमैंने हर बच्चे को मोदी-मोदी का नारा लगाते देखा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे बड़े नेता हैं। भाजपा एक ब्रांड है और आज भारत के लोग इस ब्रांड पर विश्वास करते हैं। आजादी के बाद कांग्रेस भी एक ब्रांड थी, लेकिन आज यह एक क्षेत्रीय पार्टी बन गई है क्योंकि लोगों का उस पर से विश्वास उठ गया है।

उद्धव ठाकरे की हार पर कंगना ने कहा कि मुझे उम्मीद थी कि यह होगा। इतिहास गवाह है महिलाओं का सम्मान करने वाले देवता होते हैं और महिलाओं का अपमान करने वाले दैत्य होते हैं। दैत्यों की हार होती है। आप सभी ने देखा मेरा बंगला तोड़ा गया, मुझे गालियां दी गईं। ऐन वक्त पर उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी। दैत्यों की हार हुई है। संभल को लेकर रनौत ने कहा कि एक हैं तो नेक हैं। अगर बटेंगे तो कटेंगे। हमको एकजुट होकर इसकी निंदा करनी चाहिए। हिमाचल में हमने इसकी निंदा की। वायनाड में प्रियंका गांधी को जीतने पर उन्होंने शुभकामनाएं दीं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता, राज्यसभा ने कहा

श्री मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा - आज जो सदन एडजर्न हुआ, इसकी वजह क्या थी, मुझे तो मालूम नहीं था। हमने तो 267 के तहत अडानी का मुद्दा उठाया था। अडानी समूह पर करप्शन, ब्राइबरी और फाइनेंशियल इररेगुलेरिटीज के गंभीर आरोप हैं, उसके बारे में हम सदन के सामने रखना चाहते थे और 2,030 करोड़ के नजदीक रिश्वत दी गई। जनता के पैसे का इस्तेमाल रिश्वत के लिए किया गया, इसके बारे में हम उनको चेयरमैन साहब को भी समझाना चाहते थे और पार्लियामेंट में जो भी उनके मंत्री हैं और प्रधानमंत्री भी अगर आते तो ठीक था, हम यह मुद्दे उनके सामने रखने वाले थे। लेकिन उनके इस रिश्वत का रिकॉर्ड भी अडानी ग्रुप के जो चेयरमैन्स हैं, सीईओज हैं, उन्होंने तो इसका रिकॉर्ड भी रखा है किसको किस रेट पर पैसे दिए गए और कितने पैसे दिए गए, इसका सब रिकॉर्ड उनके पास वहां पर अमेरिका की खूफिया एजेंसी ने यह सीज कर लिया है, उनके पास यह रिकॉर्ड है और इससे पहले भी अडानी ग्रुप के लोग स्टॉक हेराफेरी भी और अकाउंटिंग फ्रॉड और ओवर इन?वॉयसिंग और सेल कंपनीज, इनका भी इस्तेमाल स्टॉक प्राइस में मैनिपुलेशन के लिए किया गया है, यह आरोप भी उसमें है। फिर जहां-जहां मोदी जी जाते हैं, वहां-वहां इस समूह को कांट्रैक्ट मिलते हैं। आप लोगों को यह बताना चाहूंगा मैं, बहुत लंबी लिस्ट है कि जिस-जिस जगह मोदी जी गए हैं, उस-उस जगह कौन-कौन से कांट्रैक्ट उनको मिले हैं, यह भी मैं बता सकता हूं। इसीलिए हम यह चाहते थे कि इस पर डिस्पैशनेटली हाउस में डिस्कशन हो। इसीलिए हमने 267 के तहत आज के जो भी बिजनेस हैं, उसको आप पोस्टपोन करो और सिर्फ इसके ऊपर चर्चा लेलो, क्योंकि आप देखे होंगे कल पेपरों में, मीडिया में भर-भरकर आ रहा है। जो चीज देश का नुकसान हो रहा है और जिसमें डायरेक्टली जो दुनिया का भरोसा हम पर से उठ रहा है। तो इस वक्त हमें यह चीजें हाउस में लाना जरूरी है, देश को बचाने के लिए हमने यह मुद्दा उठाया था, हाउस को डिस्टर्ब करने के लिए नहीं। लेकिन मोदी कहते हैं हाउस को डिस्टर्ब करते हैं, हुड़दंग मचाते हो। यह हुड़दंग है। वो खुद ही बांग्लादेश गए और वहां पर अडानी को झारखंड इलेक्ट्रिसिटी एक्सपोर्ट उन्होंने जून 2015 में वहां विजिट किया था बांग्लादेश में, वो प्रोजेक्ट उसको एलोकेशन करने के लिए दिए। मलेशिया मेगा कंटेनर प्रोजेक्ट वो मार्च 2017 में गए थे वहां, उनको अप्रैल 2017 में यह कांट्रैक्ट मिला। इजराइल ड्रोन मैनुफैक्चरिंग हाइफा (ल्लां) पोर्ट अक्वायर्ड और यह जुलाई 2017 में गए थे, दिसंबर 2018 में वो इनको मिला और सिंगापुर गए प्राइम मिनिस्टर वहां Investment of thousand crore in Adani port by state owned Singapore investment firm. यह दो उनका विजिट हुआ 2018 में और जून में 2018, वहां पर उनको कांट्रैक्ट मिला।

जमीअत उलेमा-ए-हिंद के प्रतिनिधिमंडल की संभल में पुलिस अधिकारियों से मुलाकात

विष्णु जैन की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवारों को न्याय और मुआवजे की मांग

नई दिल्ली। 25 नवंबर 2024 जमीअत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के निर्देश पर जमीअत का एक केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल आज संभल पहुंचा। मौलाना हकीमुद्दीन कासमी (जमीअत उलेमा-ए-हिंद के महासचिव) के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल मस्जिद ओसामा कोटला संभल में अस्र की नमाज अदा की और इसके बाद जामा मस्जिद के ज़िम्मेदारों और शहर के प्रबुध्द लोगों से मुलाकात करके हालिया पुलिस गोलीबारी की घटना पर गहरा दुख और नाराजगी व्यक्त की और पीड़ितों को हर संभव कानूनी सहायता के लिये आश्वस्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधिकारियों खासकर डीआइजी, जिलाधिकारी, पुलिस कप्तान और एसडीएम से मुलाकात कर पुलिस उत्पीड़न पर कड़ी आपत्ति जतायी और निदोर्षों की गिरफ्तारी रोकने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल को

बताया गया कि संभल में जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान पुलिस फायरिंग में चार मुसलमानों की मौत और फिर मुस्लिम पुरुषों और महिलाओं की गिरफ्तारी ने देश की कानून व्यवस्था को शर्मशार कर दिया है। यह आश्चर्य की बात है कि गैर मुस्लिम पक्ष के वकील विष्णु जैन के नेतृत्व में भड़काउ नारों के कारण हिंसक स्थिति पैदा हो गई, लेकिन भड़काऊ नारे लगाने वाले और उसका नेतृत्व करने वाले विष्णु जैन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। मुस्लिम समुदाय के युवाओं को गोलियों से भून दिया गया, इसके पुरुषों और महिलाओं को बिना किसी हिचकिचाहट के गिरफ्तार किया जा रहा है। ऐसा लगता है कि न्याय की नजरें टेढ़ी हो गई हैं और न्याय करने वाले ही उत्पीड़न के समर्थक बन गए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधिकारियों के समक्ष मांग की कि घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच का आदेश दिया जाए और प्रति व्यक्ति 50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए और उकसाने के लिए जिम्मेदार विष्णु जैन और दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जमीअत उलेमा हिंद के प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय प्रबुध्द लोगों के साथ बैठक में अपना विश्वास दोहराया कि वे हमेशा संभल के उत्पीड़ित लोगों के साथ खड़े रहेंगे और जिस तरह 'बुलडोजर बर्बरता' पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंध लगाया, उसी तरह दोषी पुलिस अधिकारियों के मामले में भी संविधान और कानून के सभी संभव संसाधनों का उपयोग किया जाएगा। जमीअत उलेमा झ्ए- हिंद के महासचिव के अलावा, मौलाना गय्यूर अहमद कासमी, मौलाना अलाउद्दीन कासमी हापुड, मौलाना जियाउल्लाह कासमी व अधिवक्ता मिर्जा आकिब बेग शामिल हैं। इनके अलावा जमीअत उलेमा संभल के अध्यक्ष हाफिज शाहिद, मौलाना नदीम अख्तर, मौलाना अब्दुल गफूर, डॉ. रईस, मुहम्मद रेहान के अलावा स्थानीय जमीअत उलेमा की पूरी टीम मौजूद रही।

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने संभल में मुस्लिम युवकों की हत्या की निंदा की

नई दिल्ली। 25 नवंबर मीडिया को जारी एक बयान में जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष मलिक मोतसिम खान ने कहा, "उत्तर प्रदेश के संभल में पुलिस की गोलीबारी में निर्दोष मुस्लिम युवकों की जान चली गई। हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं। पुलिस की यह ज्यादती राज्य के उत्पीड़न और भेदभाव का ज्वलंत उदाहरण है। देश का हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। पुलिस की कार्रवाई संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करती है। मस्जिद समिति का पक्ष सुने बिना सर्वेक्षण का आदेश देने का निर्णय न्यायिक निष्पक्षता में गंभीर चूक को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, सर्वेक्षण दल के साथ उत्तेजक असामाजिक तत्वों की उपस्थिति और उनकी आक्रामक कार्रवाइयों ने सांप्रदायिक तनाव को भयानक रूप से बढ़ा दिया, जिसके परिणामस्वरूप दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई और निर्दोष लोगों की नृशंस मृत्यु हो गई।"

जमाअत के उपाध्यक्ष ने कहा, 'हम घटना की न्यायिक जांच की मांग करते हैं ताकि जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों की जवाबदेही तय हो और पीड़ितों और उनके शोक संतप्त परिवारों को न्याय मिल सके। यह आवश्यक है कि धार्मिक स्थलों को 1947 के अनुरूप संरक्षित रखने वाले इबादतगाह अधिनियम 1991 को बरकरार रखा जाए तथा इसके मूल भाव को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का विरोध किया जाए। हम गंभीरतापूर्वक आशा करते हैं कि कार्यपालिका और न्यायपालिका मुस्लिम इबादतगाहों को निशाना बनाने और यह दावा करके कि प्राचीन काल में उस भूमि पर एक हिंदू मंदिर था, उन्हें अवैध रूप से अधिग्रहित करने की कोशिश करने की इस प्रवृत्ति पर ध्यान देंगे। पुलिस को उपद्रव फैलाने के विपरीत शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। हम मृतक लोगों के परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। हम जनता से आग्रह करते हैं कि वे शांत रहें, प्रतिशोध से बचें और इस कठिन समय में संयम बरतें। हम सभी न्यायप्रिय नागरिकों से अपील करते हैं कि वे इस अन्याय और देश में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के प्रयास के खिलाफ आवाज उठाएं। यह राष्ट्र के हित में है कि न्याय की जीत हो और सरकार तथा प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि राज्य दमन की ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

सम्भल हिंसा पूरी तरह से प्रायोजित और जनता का विश्वास तोड़ने का सबूत

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के मीडिया इंचार्ज अदनान अशरफ ने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर देश में जगह जगह हो रहे दंगे और हिंसा

नई दिल्ली ! सम्भल में हो रही हिंसा के लिए कांग्रेस नेता अदनान अशरफ ने भाजपा सरकार को इसका जिम्मेदार बताते हुए प्रशासन को इस हिंसा में भी भाजपा का सहयोगी ठहराया उन्होंने कहा कि सम्भल कोर्ट में मंदिर मस्जिद विवाद को लेकर जो याचिका दायर होने की थी उस याचिका का उद्देश्य ही झूठे विवाद को जन्म देना था और विवाद को पुख़्ता करना था। कांग्रेस मीडिया इंचार्ज अदनान अशरफ ने कहा कि जिस तेजी से याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वे का आदेश दिया गया वो आम जनता के विश्वास को तोड़ने वाला है क्योंकि दायर याचिका पर दूसरे पक्ष की सुनवाई के बिना ही आदेश कर दिया गया और उसी दिन दो घंटे के अंदर सर्वे कराया गया और साथ साथ ही रिपोर्ट दाखिल कर दी गई वो चौंकाने वाला है कि इतनी जल्दबाजी और तेजी की जरूरत क्यों पड़ी कि न्यायालय ने दूसरे पक्ष को सुने बिना दूसरे पक्ष को नोटिस किए बिना दूसरे पक्ष को समय दिए बिना तुरंत याचिका स्वीकार कर जबकि सरकार और सुप्रीम कोर्ट अक्सर कहता है कि न्यायालयों में लाखों मामले लंबित है और मामलों का न्यायालयों पर अत्यधिक बोझ है।अदनान अशरफ ने कहा कि क्या इस मामले में याचिका पर फैसला करते समय न्यायालय को सावधानी संयम बरतने की आवश्यकता नहीं थी ? और जिस तरह से पहली बार सर्वे की गई टीम के साथ जामा मस्जिद की कमेटी और सम्भल की जनता ने सर्वे में पूरी तरह से सहयोग किया वो काफी था फिर अचानक बिना न्यायालय के आदेश के बाद दोबारा सर्वे के लिए टीम का जाना उनके मंशा और साज़िश की तरफ इशारा करता है क्योंकि सरकार के इशारे पर प्रशासन चाहता था कि दंगा हो और प्रशासन को हैरानी थी कि पहली बार में सारा सर्वे शांतिपूर्वक कैसे हो गया इसी वजह से माहौल खराब करने की मंशा को लेकर न्यायालय का दूसरे आदेश न होने के बावजूद दोबारा दूसरा सर्वे जिला प्रशासन द्वारा जबरन किया गया और इसी दौरान पुलिस के अधिकारियों द्वारा

तमाशा देख रही जनता को गालियां दी गई और प्रशासन की पहल पर माहौल खराब करना शुरू कर दिया गया जिसे बाद में दंगे का नाम दे दिया गया और जिस तरह से पुलिस की गोली ने 5 बेगुनाह नौजवानों की जिंदगी को खत्म कर दिया गया और प्रदेश सरकार द्वारा न उन अधिकारियों पर कोई कार्यवाही की गई और ना भाजपा और सरकार से जुड़े किसी बड़े नेता ने इस कार्यवाही पर कोई अफसोस जाहिर किया और बेगुनाह मारे गए नौजवानों के परिवार वाले को लिए संवेदना का एक शब्द बोला गया वो साफ जाहिर करता है कि यह दंगा पूरी तरह से प्रायोजित था और भाजपा सरकार के इशारे पर सम्भल ज़िला प्रशासन इस दंगे में पूरी तरह से सरकार का सहयोगी और हिस्सेदार रहा और आज बेगुनाह लोगों पर सरकार द्वारा अनएसए लगाए जाने की प्रक्रिया से देश का संविधान शर्मसार हो रहा है भाजपा सरकार जिस तरह से देश में लोकतंत्र को संविधान को हर दिन कुचलने का काम कर रही है वो देश की आम जनता के प्यार एकता और हिंदुस्तान की गंगी जमुनी तहजीब के लिए प्रतिदिन घातक होती जा रही है और भाजपा ने समाज में आज नफरत का बोलबाला कर दिया है इस दौरान मैं सम्भल की जनता से अपील करता हूं कि शुरू से लेकर आज तक आप लोगो ने जिस तरह शांति बनाए रखी है आगे भी आप लोग शांति बनाए रखें।

श्री सत्य साई सेवा संगठन ने मनाया बाबा का 99 वां जन्मदिवस

शिलांग। 23 नवंबर 2024 श्री सत्य साईं सेवा संगठन (SSSSO), मेघालय ने श्री सत्य साईं बाबा का 99वां जन्मदिवस श्रद्धा और उल्लास के साथ प्रशांति साधना निलयम, शिलांग में मनाया। 120 से अधिक देशों में उपस्थिति और भारत के हर राज्य में इकाइयों वाले इस वैश्विक संगठन का संचालन "सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो" और अंतरधार्मिक सद्भाव के सिद्धांतों पर आधारित है। आज के पावन दिन की शुरूआत सुबह 5:20 बजे नगर संकीर्तन से हुई। इसके बाद वेदम पाठ और झलुपारा व नोंगमिनसोंग भजन मंडलियों के मधुर भजनों ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इस कार्यक्रम में जय माता दी परिवार और आर्ट ऑफ लिविंग, मेघालय ने भी योगदान दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकजुट होकर अपनी आस्था और सेवा भावना का प्रदर्शन करते नजर आए। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण नारायण सेवा रहा, जिसमें 800 से

अधिक लोगों को भोजन वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त, नोंगमिनसोंग स्थित आनंद मार्ग स्कूल के अनाथालय में भी भोजन वितरण किया गया, जो संगठन की समाज सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।हेमांगो दत्ता, जिला अध्यक्ष, SSSSO मेघालय, ने संगठन की पिछले वर्ष की उपलब्धियों को साझा किया, जिनमें शामिल हैं ।ग्राम सेवा के माध्यम से ग्रामीण समुदायों का समग्र विकास। साधना शिविर आयोजित कर आध्यात्मिक विकास और सेवा भावना को प्रोत्साहित करना। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण अभियान। निस्वार्थ सेवा को प्रेरित करने वाले शैक्षिक कार्यक्रम और युवाओं की भागीदारी। शताब्दी समारोह योजनाएं2025 में श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह को ध्यान में रखते हुए, श्री दत्ता ने महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की, जिनमें शामिल हैं । अधिक जरूरतमंद समुदायों तक नारायण सेवा का विस्तार। ग्राम सेवा के तहत सतत ग्रामीण विकास के लिए व्यापक पहल। आध्यात्मिक समझ और सामुदायिक जुड़ाव को गहरा करने के लिए और अधिक साधना शिविर। पर्यावरणीय स्थिरता के लिए वृक्षारोपण अभियानों को मजबूत बनाना। शैक्षिक कार्यशालाओं और सेवा-उन्मुख गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना।

श्री सत्य साईं सेवा संगठन की पूर्वोत्तर भारत में यात्रा 1969 में शुरू हुई, जब ठएऋॐ (अब अरुणाचल प्रदेश) के सात गांवों के मुखियाओं का एक दल, स्वर्गीय श्री राजेंद्र सिंह पाटिर के नेतृत्व में, भारत दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रशांति निलयम गया। श्री सत्य साईं बाबा ने इस दल को आशीर्वाद देते हुए पांच धातु चक्रों की रचना की, जिन्हें बाद में डोनी पोलो मंदिर की नींव में स्थापित किया गया,जो धर्मों की एकता का प्रतीक है।

श्री सत्य साईं बाबा की शिक्षाओं पर आधारित यह संगठन उच्च चेतना के साथ जीने, समाज की सेवा करने और अंतरधार्मिक एकता को बढ़ावा देने के अपने मिशन के प्रति प्रतिबद्ध है। शताब्दी समारोह उनकी सार्वभौमिक प्रेम और निस्वार्थ सेवा के संदेश को और अधिक प्रसारित करने का एक अवसर होगा।

दिल्ली जाने की कोशिश कर रहे नरसिंहानंद और उनके शिष्य नजरबंद

दिल्ली। के रामलीला मैदान में रविवार को वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को लेकर मुस्लिम धर्मगुरु तौकीर रजा द्वारा आयोजित सम्मेलन का जवाब देने के लिए दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे डासना मंदिर के पुजारी यति नरसिंहानंद और उनके शिष्यों को नजरबंद कर दिया गया। पुलिस ने जब उन्हें रोका तो यति और उनके शिष्य ने मंदिर परिसर के अंदर हनुमान चालीसा का

पाठ करना शुरू कर दिया और एक घंटे तक पाठ करते रहे। नरसिंहानंद ने एक बयान में कहा, रजा, मदनी और ओवैसी हिंदुओं की सज्जनता को अपनी कमजोरी समझते हैं। अगर वे हिंदुओं को डराने के लिए भीड़ जुटा सकते हैं, तो हम भी उनके सामने खड़े हो सकते हैं। सहायक पुलिस आयुक्त (वेव सिटी) लिपि नगायच ने कहा कि रविवार सुबह नरसिंहानंद और उनके शिष्यों को उस समय नजरबंद कर दिया गया जब वे दिल्ली जाने के लिए अपने वाहनों में सवार हो रहे थे। उनके मुताबिक इलाके में पहले से ही पर्याप्त पुलिस बल तैनात है। यति नरसिंहानंद ने शुक्रवार को हिंदू समुदाय से दिल्ली में होने वाले मुस्लिम समुदाय के एक समारोह में हनुमान चालीसा का पाठ करने का आग्रह किया था।

आईकेएस को लेकर भारतीय शिक्षण मण्डल द्वारा आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी में सीएसयू ने भाग लिया

प्रो अजय कुमार मिश्रा, संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ, आईकेएस प्रकोष्ठ व पीआरओ, सीएसयू, दिल्ली। भारतीय ज्ञान परम्परा (आईकेएस) को लेकर भारतीय शिक्षण मण्डल द्वारा आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी में सीएसयू ने भी भाग लिया। इस विषय में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि सन- rzwz से ही स्थापित भारतीय शिक्षण मंडल (बीएसएम) भारत की मूल चिन्तन तथा संस्कृति के संबर्धन में कार्यरत है। ध्यातव्य है कि इस लब्धप्रतिष्ठ राष्ट्रीय संस्थान द्वारा विकसित भारत २०४७ को लेकर भारतीय ज्ञान परम्परा की दृष्टि से योगदान देने के लिए विशेष कर युवा युवती वर्ग के लिए संगोष्ठी तथा इससे जुड़ी महत्त्वपूर्ण पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया। प्रो वरखेड़ी ने आशा व्यक्त करते आगे यह भी कहा कि इसका दूरगामी परिणाम निकलेगा और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली इस दिशा में जो अग्रगण्य भूमिका निभा रहा है उसका भी ऐतिहासिक प्रतिफल होगा । प्रो मधुकेश्वर भट , निदेशक योजनाएं (केन्द्रीय) ने भी सहर्ष कहा है कि भारतीय शिक्षण मण्डल ने जो इससे जुड़े गुड़गांव में एक बहुपयोगी पुस्तक प्रदर्शनी को आयोजित किया , उसमें सीएसयू द्वारा

भी सहभागिता की गयी जिसमें सीएसयू की प्रकाशित पुस्तकों को पर्याप्त प्रशंसा मिली है । सूचनीय है कि इसमें प्रकाशन विभाग और मुक्त स्वाध्याय अध्ययन केन्द्र की पुस्तकें भी प्रदर्शनी पटल पर रखीं गयीं । प्रो भट ने यह भी बताया है कि इसमें लगभग 100 पुस्तक प्रदर्शनियों के स्टौल्स को लगाया गया और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संस्कृत संवर्धन हेतु केन्द्रीय योजना के अन्तर्गत इसमें सहयोग राशि देकर इस पुस्तक के भव्य प्रदर्शनी का एसोसिएट पार्टनर के रुप में भी अपना योगदान दिया । इसमें भारतीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) के अतिरिक्त देश के अनेक केन्द्रीय तथा राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों ने भी भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़ी अपनी प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी लगायी। ध्यातव्य है कि सीएसयू ,दिल्ली के योजना विभाग (केन्द्रीय) की ओर से इस प्रदर्शनी में तैनात श्री आशीष , योजना विभाग, भाग 1 ने बताया कि इस प्रदर्शनी में युवा वर्ग के साथ विद्यालय स्तर के बालक बालिकाओं की भी उमड़ती भीड़ देखी गयी । इनमें आर्मी, नेवी तथा वायु सेना आदि के स्कूल के बच्चे भी मौजूद रहें और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शोध छात्रों ने भी अपनी उपस्थिति रहें। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय , दिल्ली के द्वारा प्रदर्शिनी में पहुंचे विशेष कर छात्र छात्राओं को भी संस्कृत के विषय में सामान्य जानकारी देते हुए इसके महत्त्व के विषय में भी अवगत करवाया गया। प्रो काशीनाथ न्यौपाने , निदेशक, प्रकाशन विभाग ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा की मूल जड़ें संस्कृत विद्या में ही समाहित हैं । अतः सीएसयू, दिल्ली के प्रकाशन विभाग में कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी जी के मार्गदर्शन में इससे जुड़े और अनेक पुस्तकें प्रकाशन के लिए तैयार की जा रही हैं। - प्रो अजय कुमार मिश्रा, संयोजक मीडिया प्रकोष्ठ, आईकेएस प्रकोष्ठ व पीआरओ, सीएसयू, दिल्ली।

किसानों को नहीं मिल पा रहा खाद,बीज हो रही है भारी किल्लत शीघ्र की जाए खाद, बीज की आपूर्ति: आकाश चौधरी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सोमवार को किसानों की एक बैठक अतरासी रोड़ स्थित युवा किसान आकाश चौधरी के आवास पर आयोजित की गई, बताते चलें कि किसी भी बैनर व संगठन से अलग हटते हुए किसानों की यह बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें बैठक बोलते हुए युवा किसान आकाश चौधरी ने कहा कि जिले में समितियों पर किसानों को खाद बीज नहीं मिल पा रहा है किसान समितियों पर धक्के खा रहे हैं जगह-जगह चक्कर काट रहे हैं। खाद बीज लेने के लिए घंटों लाइन में लग रहे है फिर भी खाद बीज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। खाद बीज गोदामों पर किसान पहुंचते हैं लेकिन उन्हें खाली हाथ बिना खाद लिए मायूस होकर वापस लौटना पड़ता है अनेकों जगह ना खाद मिलता है और न बीज मिलता है। कहीं पर खाद नहीं है तो कहीं कम खाद होने से एक एक कट्टा खाद पाने के लिए मारामारी मची है। किसानों की मांगों के अनुरूप सहकारी समितियों पर खाद नहीं मिल रही है। किसान जाए तो कहां जाए। इस समय किसान चना,मटर,सरसों, गेहूं आदि फसलों की बुआई के काम में लगा हुआ है। किसानों को खाद की अत्यधिक आवश्यकता है। समितियों से खाद न मिलने के कारण किसानों को बाजार से अधिक दामों में खाद लेनी पड़ रही है किसानों का कीमती समय भी बर्बाद हो रहा है। खाद किल्लत की वजह से किसान अपनी फसल समय पर बुवाई नहीं कर पा रहा है। किसानों की जिला प्रशासन से मांग है कि अमरोहा में समितियों पर किसानों कों समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराया जाए और जहां कहीं भी खाद बीज की कालाबाजारी हो रही है वहां खाद बीज की कालाबाजारी को रोका जाए। किसानों को समय पर खाद बीज की आपूर्ति की जाए। जिससे किसान समय पर अपनी फसल की बुवाई कर सकें किसानों की फसल अच्छी हो। बैठक में मुख्य रूप से मनदीप नौरंगी, सौरभ चौधरी, गौरव चौधरी, राजेन्द्र सिंह, रंजीत सिंह, राहुल सैनी, कमल सैनी, गोविन्द चौधरी, कमल प्रजापति, राहुल सिंह, मुनेन्द्र सिंह, कृष्ण कुमार, कपिल चौधरी, सुशील कुमार, रवि कुमार, सुरेन्द्र सिंह, अजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों की समस्याओं को लेकर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम से की मुलाकात

लोकतंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सोमवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल नगर की व्यापारियों की समस्याओं को लेकर उप जिलाधिकारी हसनपुर से मिला जिसमें उन्होंने हसनपुर में मुख्य समस्या जिसमें जाम की स्थिति को लेकर वार्ता की प्रतिनिधिमंडल ने उप जिलाधिकारी सुनीता सिंह को अवगत कराया कि नगर में इस समय जाम की समस्या बनी हुई है, व्यापारियों ने उप जिला अधिकारी सुनीता सिंह से नो एंट्री में वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग की, तथा व्यापारियों की बैठक बुलाकर जाम की समस्या से व्यापारियों को निजात दिलाने की मांग की, जाड़े के मौसम में चोरी आदि की घटनाएं अधिक बढ़ जाती हैं उन घटनाओं को होने से रोकने के लिए पुलिस को पहले से ही क्षेत्र में गस्त बढ़ाने का आदेश करने तथा अन्य मांगों को लेकर व्यापारियों ने मुलाकात की इस संबंध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल ने एसडीएम से मुलाकात के दौरान की गई सभी वार्ता को विस्तार से बताया, इस मौके पर मुलाकात करने वालों में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल, नगर अध्यक्ष मनोज गोयल, अमित अग्रवाल उर्फ निक्कू, संदीप गुप्ता, शिखर अग्रवाल, संजय टाटा आदि शामिल रहे।

दहेज हत्या के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी, न्यायालय के समक्ष किया पेश

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सोमवार को कोतवाली पुलिस ने दहेज हत्या के मुख्य आरोपी पति पुष्पेंद्र को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, बता ते चले कि कोतवाली क्षेत्र के गांव लुहारी खादर में 20 नवंबर को जोगेंद्री का शव ससुराल में पशु शाला में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला था वही मृतका के परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा भी काटा था जोगेंद्री के परिजनों ने आरोप लगाते हुए मांग की थी कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज में कार लाने की मांग कर रहे थे इसी वजह से कार ना देने पर जोगिंद्री की हत्या कर उसका शव फांसी के फंदे पर लटकाया है, परिजनों के हंगामे के बाद पुलिस ने मृतका के पिता कमल सिंह की तहरीर पर पति पुष्पेंद्र, ससुर मलखान सिंह, सास उर्मिला, ननद स्वाती व इशा एवं नंदोई डालचंद और उसकी पत्नी के खिलाफ दहेज हत्या की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था, इसी के चलते पुलिस ने सोमवार को मुख्य आरोपी पति पुष्पेंद्र को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, तथा इस संबंध में अपराध निरीक्षक बालेंद्र सिंह ने बताया कि दहेज हत्या के मुकदमे में अभी एक गिरफ्तारी हुई है बाकी अन्य आरोपीयो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दविश दे रही है तथा जल्द ही अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी हो जाएगी।

पौराणिक कथाओं से राष्ट्रीय एकता व राष्ट्रधर्म को मजबूती : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी, 25 नवंबर। सीएम योगी ने कहा कि पावन कथाओं ने साबित किया है कि देश धर्म की बात को सुन रहा है और भगवान वेदव्यास का सम्मान कर रहा है। व्यास पीठ सुनाने को तैयार है तो भक्त सुनने को भी तैयार हैं। इन पावन कथाओं के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को संबल व राष्ट्रधर्म को मजबूती मिलती है। हमारा ध्येय अपने ईष्ट, देवी-देवताओं, समाज के प्रति होना ही चाहिए, लेकिन हम सबका लक्ष्य होना चाहिए कि राष्ट्र की एकता व अखंडता को कोई चुनौती न देने पाए, क्योंकि उसी में देश, धर्म, समाज, कथाओं की पावन परंपरा बची हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को वाराणसी के सतुआ बाबा गोशाला डोमरी में चल रहे श्रीशिव महापुराण कथा में शामिल हुए। इस कथा के व्यासपीठ पर पूज्य संत पं. प्रदीप मिश्र भक्तों को कथा का श्रवण करा रहे हैं। सीएम ने पं. प्रदीप मिश्र से कहा कि यह यात्रा सनातन धर्म व भारत के लिए इसी वृहद रूप में बढ़ती रहे। समूचे उत्तर प्रदेश की शुभकामना आपके साथ है।

प्रयागराज कुंभ के पहले काशी की धरती पर कथा के माध्यम से हो रहा कुंभ का दर्शन

गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज की पावन धरती पर 13 जनवरी से 26 फरवरी (पौष पूर्णिमा से महाशिवरात्रि) तक दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक व सामाजिक समागम 'महाकुंभ-2025' का आयोजन होने जा रहा है। इससे ठीक पहले काशी की धरती पर इस पावन कथा के माध्यम से इस कुंभ का दर्शन हो रहा है। यहां हर कोई अनुशासन व श्रद्धाभाव के साथ पावन कथा का श्रवण कर रहा है। मैं भगवान शिव का भक्त, सनातन धर्मावलंबी होने के कारण सबका अभिनंदन करता हूं।

परमभक्त की सबसे बड़ी पहचान कि वह अनुशासित होता है

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पावन कथा का यह दृश्य देखकर अभिभूत हूं। सीएम ने कहा कि गत माह पं. प्रदीप मिश्र जी की कथा हापुड़ में होने वाली थी, लेकिन प्रशासन ने अचानक आयोजन को निरस्त कर दिया। शाम को जानकारी मिलने पर मैंने पूछा कि ऐसा क्यों किया गया, बताया गया कि भीड़ ज्यादा हो सकती है। मैंने कहा कि उनकी कथा की चर्चा ही इस बात के लिए होती है कि वहां हजारों में नहीं, बल्कि लाखों में गिनती होती है और वे सभी श्रद्धालु-परमभक्त होते हैं। परमभक्त की सबसे बड़ी पहचान होती है कि वह अनुशासित होता है। जिसका आत्मानुशासन है, उसका भौतिक द्रव्यों पर भी अनुशासन होता है। मैंने कहा कि कथा को अनुमति दी जाए। जो भी वहां गया, अभिभूत था। यही दृश्य फरुर्खाबाद में भी था।

चौक क्षेत्र के अंतर्गत की पैदल गस्त

लोकतंत्र की शान /देवेंद्र शर्मा

लखनऊ। कमिश्नरेट के DCP पश्चिम ओमवीर सिंह आमजनमानस को सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था का एहसास कराने थाना चौक क्षेत्र के अंतर्गत की पैदल गस्त! DCP पश्चिम के साथ ADCP पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव,थाना प्रभारी चौक,थाना प्रभारी ठाकुरगंज, संबंधित चौकी इंचार्जों के साथ की पैदल गस्त! पैदल गस्त टीले वाली मस्जिद से लेकर बड़ा इमामबाड़ा रूमी गेट तक की गस्त! DCP पश्चिमी ओमवीर सिंह ने वहां पर व्यापारियों और आमजनमानस से की बातचीत!

शिक्षा जगत का सितारा है यूपी कॉलेज : सीएम योगी

वाराणसी, 25 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी कॉलेज शिक्षा जगत का सितारा है। कॉलेज ने एक सदी में शिक्षा और जीवन के सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में जो कार्य किए, उसके प्रति केवल वाराणसी, पूर्वी यूपी व बिहार ही नहीं, बल्कि यूपी व देश विनम्र भाव से कृतज्ञता ज्ञापित करता है। राजर्षि उदय प्रताप सिंह जूदेव ने 1909 में बाबा विश्वनाथ की पावन स्थली पर जो नींव रखी थी, वह उनके विराट व्यक्तित्व को प्रदर्शित करता है। उनके मन में यह भाव रहा होगा कि राष्ट्रीयता से ओतप्रोत भावी भारत के निर्माण के लिए ऐसा शिक्षण-प्रशिक्षण संस्था देना है, जो आजादी के आंदोलन को गति और आवश्यकता पड़ने पर प्रत्येक क्षेत्र में देश को योग्य नागरिक भी दे सके। यहां से शिक्षित-प्रशिक्षित स्नातक, परास्नातक, खिलाड़ी, कृषि, डेयरी समेत प्रत्येक क्षेत्र में मिलते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को उदय प्रताप कॉलेज के 115वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया। सीएम ने राजर्षि उदय प्रताप सिंह जूदेव की प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया। कॉलेज के बच्चों ने कुलगीत व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। सीएम ने आश्वासन दिया कि सचिव से मिले प्रतिवेदन को बढ़ाने में सरकार मदद करेगी।

गिरफ्तार हुआ सोशल मीडिया पर फायरिंग बाज

लोकतंत्र लखनऊ संवाददाता

ठाकुरगंज। पुलिस को मिली एक बड़ी सफलता ठाकुरगंज इलाके क्षेत्र में एक शादी समारोह में फायरिंग करते हुए वायरल हुआ था वीडियो जिसका क्षेत्रीय पुलिस ने संज्ञान लेते हुए ममला आर्म्स एक्ट में पंजीकृत करते हुए आरोपी अराफात कुरैशी को उसके घर से गिरफ्तार किया आरोपी के पास से एक रिवाल्वर 32 बोर बरामद हुई पूछताछ में पता चला आरोपी अपने पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर 32 बोर को अनाधिकृत रूप से प्राप्त कर दो राउंड हवाई फायरिंग की गई थी पुलिस ने लाइसेंस निरस्त की कार्यवाही अम्ल में लाई जाएगी गिरफ्तार करने वाली टीम श्री रविंद्र कुमार एवं अरुण कुमार मिश्रा थाना ठाकुरगंज सफलता मिली।

उपचुनाव जीतने के बाद काल भैरव व बाबा विश्वनाथ का आशीष लेने पहुंचे सीएम

10 दिन के भीतर दूसरी बार काशी पहुंचकर मुख्यमंत्री ने लगाई हाजिरी

वाराणसी, 25 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में जीत के बाद सोमवार को काशी कोतवाल काल भैरव व बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने पहुंचे। दस दिन के भीतर सीएम योगी ने दूसरी बार बाबा के चरणों में श्रद्धा निवेदित की। मुख्यमंत्री इसके पहले 15 नवंबर को देव दीपावली पर वाराणसी आए थे। इस दौरान उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने काशी कोतवाल बाबा काल भैरव के दर्शन-पूजन कर आरती उतारी। उन्होंने यहां विधि विधान से पूजा की। इसके बाद उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। बाबा के गर्भगृह में जाकर षोडशोपचार पूजन कर उन्होंने लोक कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर श्रद्धालुओं ने 'हर-हर महादेव' के उद्घोष से उनका स्वागत किया तो

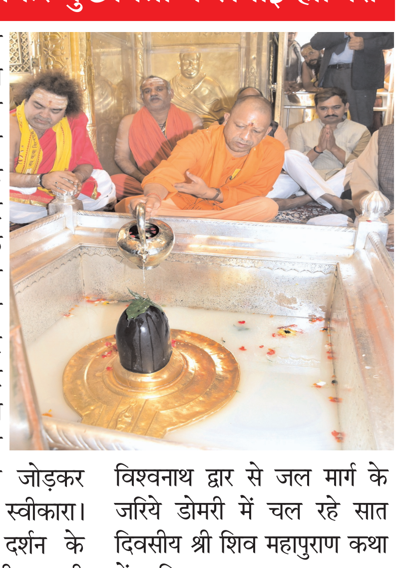

मुख्यमंत्री ने भी हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकारा। बाबा विश्वनाथ के दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री श्री काशी विश्वनाथ द्वार से जल मार्ग के जरिये डोमरी में चल रहे सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा में शामिल हुए।

इजराइल जाने वाले श्रमिकों के स्किल टेस्ट की तैयारियां पूर्ण

लोकतंत्र की शान/कौशल रस्तोगी

लखनऊ। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज लखनऊ में श्रमिकों को इजराइल भेजने की प्रक्रिया के अंतर्गत स्किल टेस्ट की तैयारियों का सोमवार को निदेशक नेहा प्रकाश (आईएएस) ने निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अपर निदेशक व्यावसायिक शिक्षा, अपर निदेशक सेवायोजन और संयुक्त निदेशक लखनऊ मंडल भी मौजूद रहे। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। इजराइल में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक 26 नवंबर 2024 से अपना एडमिट कार्ड लेकर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज में स्किल टेस्ट में भाग ले सकते हैं। यह प्रक्रिया सभी श्रमिकों की योग्यता और कौशल का आकलन सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री ने साइबेरियन पक्षियों को खिलाया दाना

गंगा में क्रूज पर सवार होकर जल मार्ग से डोमरी गए मुख्यमंत्री

वाराणसी, 25 नवंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पशु-पक्षियों से प्रेम करने की बानगी एक बार फिर काशी में दिखी। क्रूज पर सवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विदेश से आये मेहमानों को गंगा में यात्रा के दौरान दाना खिलाया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने के बाद क्रूज से सतुआ बाबा गोशाला डोमरी में चल रहे श्रीशिव महापुराण कथा में शामिल होने जा रहे थे, इस दौरान उन्होंने साइबेरियन

पक्षियों को दाना खिलाया। साइबेरियन पक्षी हर वर्ष ठण्ड के मौसम में गंगा में दिखाई देते हैं। यह पक्षी सैकड़ों मील की यात्रा करके विदेश से यहां आते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के उपरांत पंडित प्रदीप मिश्र की कथा में डोमरी पहुंचे। उन्होंने इसके लिए जल मार्ग का सहारा लिया।

नोएडा में बस चालक ने कार को मारी टक्कर, विरोध करने पर दंपति से बदसलूकी की

नोएडा। के फेज-वन क्षेत्र में एक बस चालक ने कथित तौर पर लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक कार को टक्कर मार दी और जब कार सवार दपंति ने विरोध किया तो उसने उनके साथ बदसलूकी भी की। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना 23 नवंबर को फेज-वन पुलिस थाना क्षेत्र की है जिसकी शिकायत रविवार रात दर्ज कराई गई। थाना प्रभारी अमित भड़ाना ने सेक्टर-79 स्थित एक सोसाइटी के निवासी अभिषेक तिवारी की शिकायत के हवाले से बताया कि वह कार में सवार होकर अपनी पत्नी के साथ कहीं जा रहे थे तभी दलित प्रेरणास्थल के पास एक बस ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इसका विरोध करने पर बस चालक ने उनके साथ बदसलूकी की। उन्होंने आरोप लगाया कि बस चालक शराब के नशे में था। थाना प्रभारी ने बताया कि कुछ देर बाद बस कंपनी का प्रबंधक मुकेश वहां पहुंचा तो उसने भी शिकायतकर्ता के साथ बदसलूकी की और धमकी भी दी। भड़ाना ने बताया कि शिकायत पर बस चालक तथा प्रबंधक के खिलाफ प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

नोएडा में महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 34 लाख रुपये ठगे

उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिला पुलिस ने आपत्तिजनक वस्तुओं को ईरान भेजने के नाम पर एक महिला को डिजिटल अरेस्ट कर कथित रूप से 34 लाख रुपये की ठगी करने को लेकर रविवार को मुकदमा दर्ज लिया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, पीड़िता की शिकायत पर साइबर अपराध थाना पुलिस ने चार माह बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना साइबर अपराध के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार गौतम ने

बताया कि सेक्टर-41 निवासी निधि पालीवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आठ अगस्त की सुबह 10 बजे उनके पास अज्ञात नंबर से फोन कॉल आई और फोन करने वाले शख्स ने बताया कि उनके नाम से एक पार्सल मुंबई से ईरान भेजा जा रहा है जिसमें पांच पासपोर्ट, दो डेबिट कार्ड, दो लैपटॉप, 900 अमेरिकी डॉलर और 200 ग्राम मादक पदार्थ हैं। गौतम के मुताबिक, पीड़िता को बताया गया कि सीमा शुल्क विभाग ने पार्सल को रोक लिया है तथा पुलिस में इस बाबत शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है और व्हाट्सऐप के जरिए प्राथमिकी की प्रति भी भेजी। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपियों ने स्काइप ऐप के जरिये वीडियो कॉल पर बात करनी शुरू की तथा इस दौरान कॉल करने वाले शख्स ने अपना कैमरा बंद रखा था। गौतम ने बताया कि आरोपियों ने पीड़िता के बैंक खाते में जमा 34 लाख रुपये अपने बैंक खाते में मंगवा लिए। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दो नोटिस भी भेजे, जिसमें पीड़िता पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। थाना प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

हरियाणा

डीएससी समाज ने आरक्षण में वर्गीकरण का फैसला लागू करने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी को दी शेर की संज्ञा

डीएससी समाज ने सम्मान की जो पगड़ी मेरे सिर पर रखी है, उसे मंदिर में रखकर पूजा करने का काम करेंगे: नायब सिंह सैनी

डीएससी समाज की पावरफुल हुंकार, भाजपा ही हर बार, अब बदल गई राजनीतिक दिशा

कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ (दाएं) मुख्यमंत्री का स्वागत करते डीएससी समाज के लोग।

चंडीगढ़/जींद, नवंबर : भगवान वाल्मीकि जयंती समारोह ने हरियाणा की राजनीति में इतिहास रच दिया। डीएससी समाज के लोगों की उमड़ी अपार भीड़ ने भाजपा पर मुहर लगा दी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक से बढ़कर एक सौगातें डीएससी समाज को दी। वाल्मीकि जयंती समारोह में पूरे प्रदेश से डीएससी समाज के लोग आए हुए थे। जितने लोग पंडाल में कुर्सियों पर बैठे थे, उससे कहीं ज्यादा पंडाल के बाहर खड़े होकर भाजपा के जयकारे लगा रहे थे। जींद के एकलव्य स्टेडियम में हुए इस समारोह के दौरान स्टेडियम की सीढ़ियां तक लोगों से भरी हुई थी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने घोषणाएं करने में कसर नहीं छोड़ी तो डीएससी समाज ने भी भाजपा पर अपना विश्वास जताने में कंजूसी नहीं बरती। हरियाणा विधानसभा चुनाव का रुख बदलने वाले पावरफुल डीएससी समाज ने हुंकार भर दी है कि हरियाणा में भविष्य में सिर्फ और सिर्फ भाजपा की ही सरकार बनाएंगे। डीएससी समाज ने आरक्षण में वर्गीकरण का फैसला लागू करने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी को शेर की संज्ञा दी। समाज के प्रबुद्धजनों ने कहा कि मुख्यमंत्री ने शेरनी का दूध पिया है। इसी कारण हरियाणा आरक्षण में वर्गीकरण को लागू करने वाला देश का पहला प्रदेश बना है। डीएससी समाज ने मुख्यमंत्री का जोरदार सम्मान किया। सैनी ने भी समाज को भरोसा दिलाया कि डीएससी समाज ने सम्मान की जो पगड़ी मेरे सिर पर रखी है, उसे मंदिर में रखकर पूजा करने का काम करेंगे। भाजपा और डीएससी समाज की कदम ताल से हरियाणा की राजनीति में नया इतिहास रचा दिया है। समारोह में उमड़ी भीड़ और दिलों में नायब सैनी के लिए भरी भावनाओं को देखकर साफ हो गया है कि डीएससी समाज ने अपना खून पसीना भाजपा के नाम कर दिया है। आने वाले समय में डीएससी समाज के रूप में भाजपा के पास मजबूत और बड़ा वोट बैंक नियमित रूप से जुड़ गया है। दशकों से अपने हकों के लिए संघर्ष करते आ रहे डीएससी समाज अपनी अनदेखी और हक मारे जाने से जितना आहम हुआ, अब उसका असर दिखने लगा है। कांग्रेस हो या इनेलो दोनों ही दलों ने आज तक डीएससी समाज को तबज्जो नहीं दी। अब भाजपा ने न केवल उनके हकों को सुरक्षित किया बल्कि ज्यादा सुविधाएं और रोजगार देने का काम किया। ऐसे में अब दूसरे राजनीतिक दलों के पैरों तले की जमीन खिसक गई है कि जिस डीएससी समाज को वे कमजोर समझ रहे थे, उसी डीएससी समाज ने हरियाणा विधानसभा चुनाव की हवा बदलने का काम किया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री जींद में आयोजित महर्षि वाल्मीकि जयंती राज्य स्तरीय समारोह में उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते हुए।

राजनीतिक दलों के पैरों तले की जमीन खिसकी

आरक्षण में वर्गीकरण लागू होने के बाद हरियाणा की राजनीति में डीएससी समाज बड़ा कद लेकर उभरा है। कांग्रेस अपनी हार के लिए ईवीएम को जिम्मेदार ठहरा रही है, लेकिन हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने समारोह के दौरान चुटकी लेते हुए यह भी साफ कर दिया है कि हुड्डा की ईवीएम किसी और न ने नहीं बल्कि डीएससी समाज ने हैक की थी। यहां हैक का अभिप्राय यह है कि डीएससी समाज ने हुड्डा को अपना नेता नहीं माना और भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया। इतने बड़े और मजबूत समाज की अनदेखी हुड्डा और कांग्रेस को चुनाव में महंगी पड़ी। इसी कारण चुनाव भी हारे। डीएससी समाज को हलका समझने की भूल इनेलो और कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी साबित हुई। अब दोनों ही राजनीतिक दलों के पैरो तले की जमीन खिसकी हुई है।

सौगात ही सौगात

भगवान वाल्मीकि जयंती समारोह में मुख्यमंत्री ने डीएससी समाज के लिए सौगातों की झड़ी लगा दी। सैनी ने कहा कि सरकारी सेवाओं में सीधी भर्ती के लिए अनुसूचित जाति के लिए 20 प्रतिशत कोटा आरक्षित है। इसमें से 10 प्रतिशत कोटा वंचित समाज के लिए आरक्षित किया गया है। साथ ही सरकार ने सुनिश्चित किया कि प्रदेश में 50 प्रतिशत सफाई ठेके सफाई मित्र समूहों को ही दिए जाएं। सफाई कर्मचारियों के हितों के लिए हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का भी गठन गया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि सफाई कर्मचारियों का वेतन जो 16 हजार से 17 हजार रुपये था, उसे 26 से 27 हजार रुपये किया जाएगा। सीवरेज में काम करते हुए दुर्घटना मे मृत्यु होने पर 10 लाख रुपये के बीमे का प्रावधान सरकार ने किया है। साथ ही सरकारी कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को पूरी छात्रवृत्ति देने का संकल्प भी लिया। प्रदेश में कोई भूखा न रहे इसलिए 48 लाख बीपीएल परिवारों को राशन देने का काम भाजपा सरकार कर रही है। डॉ. भीमराव अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत नवीनीकरण के लिए 8000 रुपये देने का काम भी सरकार ने किया। मुख्यमंत्री ने वाल्मीकि भवन के लिए 51 लाख रुपए देने की भी घोषणा की। सैनी ने कहा कि हिसार में छात्रावास भी बनाए जाएंगे।

हरियाणा के गुरुग्राम में जलभराव की नहीं होने देंगे समस्या : विवेक जोशी

हरियाणा के मुख्य सचिव गुरुग्राम में विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा के मुख्य सचिव विवेक जोशी गुरुवार को गुरुग्राम में विकास कार्यों की समीक्षा करने के लिए शहर में मौजूद रहे। उन्होंने जीएमडीए, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। मुख्य सचिव ने कहा कि गुरुग्राम किसी अन्य शहर से अलग है। यहां सिटीजन काफी सजग है। इस दौरान उन्होंने लगभग तीन घंटे बैक-टू-बैक अलग-अलग विभागों के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मुख्य रूप से गुरुग्राम में बरसात के दौरान होने वाले जलभराव, पेयजल व्यव्स्था, स्वच्छता पर मंथन किया गया। मुख्य सचिव ने जीएमडीए के अधिकारियों संग गुरुग्राम में जलभराव, पेयजल व्यवस्था, सड़क व्यवस्था, शहर की परिवहन व्यवस्था, विभिन्न प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए जमीन की उपलब्धता जैसे मुद्दों पर मुख्य रूप से चर्चा की। इस दौरान जीएमडीएम के सीईओ ए. श्रीनिवास ने बताया कि गुरुग्राम में मुख्य सड़कों का मरम्मत कार्य जीएमडीए अगले छह माह में पूरा कर लेगा। इसके अलावा अगले वर्ष जीएमडीए की बस सेवा में नई बसें शामिल की जाएंगी। ऐसे में यह ध्यान रखा जाएगा कि आम नागरिकों को बेहतर परिवहन सेवा मिले और कनेक्टिविटी की सुविधा मिले। शहर में सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या से निपटने के लिए पायलट प्रोजेक्ट पर स्टडी भी की जा रही है। नरसिंहपुर, खांडसा, राजीव चौक, इफको चौक, एंबियंस माल स्थानों पर होने वाले जलभराव को रोकने की कार्य-योजना के बारे में विस्तार से बताया। नगर निगम आयुक्त अशोक गर्ग ने बताया कि बंधवाड़ी में 14 लाख टन कचरे से ऊर्जा उत्पादन के लिए तीन टेंडर लगाए जाने हैं। टेंडर की नियम-शर्तें सोच समझकर तय की जानी चाहिए। टैक्स रिकवरी के लिए मकान के किरायेदार व मालिक दोनों को मैसेज भेजा जाए। गुरुग्राम उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि आरडब्ल्यूए, आम नागरिकों की समस्याओं पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों के माध्यम से जनशिकायतों का सजगता से समाधान करवाया जा रहा है।

विधायक आदित्य ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से की मुलाकात

डबवाली के विधायक आदित्य चौटाला उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

डबवाली, नवंबर : डबवाली विधानसभा क्षेत्र के विधायक आदित्य देवीलाल ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान आदित्य चौटाला ने जनहित व राष्ट्रहित के अनेक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भेंट करने के उपरांत आदित्य ने कहा कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हमेशा देश व समाज के अधिकारों को सर्वोपरि रखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को नम्र भाव से झुककर सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि जब भी वे उनसे मिलते हैं, उनके इस स्नेह भाव के आगे नतमस्तक हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि आज की मुलाकात के दौरान भी जनहित व राष्ट्रहित के मुद्दों सहित वर्तमान विषयों पर चर्चा की। आदित्य ने कहा कि उप राष्ट्रपति एक किसान परिवार से आते हैं और वह किसानों की समस्याओं को भलीभांति जानते व समझते है। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ-साथ प्रत्येक वर्ग की समस्याओं को लेकर उन्होंने उनसे चर्चा की। उन्होंने बताया कि उप राष्ट्रपति के साथ इस मुलाकात के दौरान उन्होंने छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण इलाकों के उत्थान को लेकर विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शहरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों के विकास के लिए किस तरह की योजनाएं बनाई जाएं ताकि सभी को सामान रूप से केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा जारी की जा रही जनहित योजनाओं का लाभ सामान रूप से मिल सके। आदित्य ने कहा कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से आज की मुलाकात एक स्मरणीय बन गई है और शहरों व ग्रामीण इलाकों में विकास की कड़ी से कैसे जोड़ा जाए इसका जवाब भी संतोषजन मिला और बहुत कुछ जानने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश के लिए ऐसी अनेक योजनाओं को सरकार के समक्ष रखेंगे जिसका फायदा हर वर्ग को होगा और इस तरह के प्रयासों को लगातार जारी रखेंगे।

अखिल हरियाणा सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित, 44 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने की भागीदारी

चंडीगढ़, नवंबर : बच्चों में सड़क सुरक्षा की संस्कृति पैदा करने के उद्देश्य से राज्यभर के सभी स्कूलों और कॉलेजों में अखिल हरियाणा सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 44 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने रिकॉर्ड भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने में विद्यार्थी सबसे सशक्त माध्यम है। स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थी श्रेष्ठ शिक्षक होते हैं। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थी न केवल स्वयं सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक होंगे बल्कि अपने अभिभावकों से भी यातायात के नियमों की पालन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। सड़क सुरक्षा एक गंभीर विषय है और सुरक्षित ड्राइविंग की जानकारी के अभाव के कारण कई बार लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। सड़क सुरक्षा चालक, वाहन और सड़कों की गुणवत्ता इन तीन कारकों पर निर्भर करती है। इनमें से चालक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। ड्राइविंग कौशल का अभाव सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण है। इसके बारे में आमजन में जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के दौरान परीक्षा में भाग लेते परीक्षार्थी।

अभियान के तहत किए गए कई महत्वपूर्ण कार्य

उन्होंने बताया कि हरियाणा की सड़कों को आमजन के लिए सुरक्षित बनाने के लिए अभियान के तहत कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए। सभी विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में विभिन्न प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के माध्यम से जागरूक किया गया। आवश्यकता अनुरूप रोड इंजीनियरिंग अर्थात् सड़क अभियांत्रिकी में सुधार करते हुए संबंधित विभाग की जवाबदेही सुनिश्चित की गई। इतना ही नहीं दुर्घटना के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को तत्काल स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने की पहल भी की गई। सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सड़क सुरक्षा, ज्ञान केंद्र और रोड सेफ्टी क्लबों की स्थापना करते हुए इनका संचालन किया गया। सड़क सुरक्षा फंड की स्थापना कर सभी इच्छुक संस्थाओं और विभागों को समुचित धनराशि उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की गई। इतना ही नहीं सभी शहरों में चालक प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना करते हुए वहां पर प्रशिक्षण करवाया गया।

लोगों की परेशानी का सबब बना हरियाणा में सही ढंग से कचरा प्रबंधन का न होना : कुमारी सैलजा

कहा: भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही कचरा प्रबंधन योजना, करोड़ों रुपए के हुए घोटाले

कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, नवंबर : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि कचरा प्रबंधन वैसे तो देश के सभी राज्यों के लिए मुसीबत साबित होता जा रहा है। पर हरियाणा में कचरा प्रबंधन सही ढंग से न होने पर लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। नाले और नालियां कूड़े की वजह से जाम हो जाती हैं। मक्खी-मच्छर पैदा होने से लोगों को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसे रोग होने का खतरा बढ़ जाता है। प्रदेश में कचरा प्रबंधन के नाम पर एक से एक बड़ा घोटाला हुआ, पर कार्रवाई किसी पर नहीं हुई। कहा जा सकता है कि कचरा प्रबंधन योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती जा रही है। सरकार को जनहित में इस दिशा में सख्त कदम उठाना चाहिए।

नाले-नालियां व कूड़े की वजह से हो रही जाम

जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने आदेश जारी कर कहा है कि कचरा फेंकने के लिए जो स्थान स्थानीय प्रशासन द्वारा तय किया गया है, वहीं पर कूड़ा-कचरा फेंका जाए। यदि कोई व्यक्ति या संस्थान चिन्हित जगहों के अलावा कहीं कूड़ा फैंकता पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इधर-उधर कूड़ा-कचरा फैंकते हुए पकड़े जाने पर 50,000 रुपए तक जुर्माना किया जा सकता है। पर देखने में आता है कि लोग अपने घर या संस्थान का कूड़ा-कचरा दिन या रात के अंधेरे में चुपके से नालियों, नालों या सड़कों के आसपास फेंक देते हैं। इससे लोगों को आने जाने परेशानी का सामना करना पड़ता है। नाले और नालियां कूड़े की वजह से जाम हो जाती हैं। ऐसे में सड़को पर पानी जमा होने लगता है। सड़कों पर पानी जमा होने से लोगों को असुविधा होती है। मक्खी-मच्छर पैदा होने से लोगों को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसे रोग होने का खतरा बढ़ जाता है। प्रदेश में ज्यादा मुसीबत प्लास्टिक कचरा बनता है। कहने को तो सरकार दावा करती है कि प्रदेश में लगभग 78 प्रतिशत प्लास्टिक कचरे को रिसाइकिल किया जा रहा है। गुरुग्राम और फरीदाबाद में कचरा निस्तारण प्लांट का मुद्दा सदा विधानसभा में गूंजता रहा है। गुरुग्राम और सिरसा में कचरे का पहाड़ लगातार बड़ा हो रहा है। गुरुग्राम के पास फरीदाबाद का कचरा भी डंप किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी करनाल, पंचकूला, अंबाला और मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में कचरे के ढेर बताते है कि वहां पर कितना विकास हुआ है। सबसे बड़ी बात ए है कि कचरा प्रबंधन के नाम पर बड़े बड़े घोटाले हुए पर आज तक किसी भी दोषी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

फ्लैगः हरियाणा सरकार डेंगू-मलेरिया सीजन के दौरान अनुबंध पर रखे जाने वाले ब्रीडिंग चैकरों पर खर्च करती है 4.03 करोड़ रुपए से अधिक की राशि, पंचकूला में सबसे ज्यादा राशि हुई खर्च

हरियाणा स्वास्थ्य विभाग डेंगू-मलेरिया सीजन में 800 कर्मियों से करता है अनुबंध, पांच माह बाद कर देते हैं छुट्टी, राज्य मंत्री से बोले कर्मी : सरकार समस्या का निकाले स्थायी समाधान

समस्त ब्रीडिंग चैकर कई बार हरियाणा सरकार से लगा चुके स्थायी रोजगार उपलब्ध करवाने की मांग, अभी तक नहीं हुआ समस्या का समाधान

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा स्वास्थ्य विभाग में हर साल डेंगू-मलेरिया सीजन के दौरान ब्रीडिंग चैकर के नाम पर करीब 800 कर्मचारियों की फौज अनुबंध आधार पर फील्ड में उतारी जाती है। खास बात यह है कि सरकार इन कर्मचारियों पर करीब 4.03 करोड़ रुपए से अधिक की राशि भी खर्च करता है। लगातार करीब पांच माह तक इन कर्मियों से काम लेने के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा इनकी छुट्टी कर दी जाती है। ये सिलसिला पिछले कई सालों से बेदस्तूर जारी है। जिस पर लगाम लगाने के लिए कई बार समस्त ब्रीडिंग चैकर से जुड़ा दल सरकार से स्थायी समस्या के समाधान की मांग कर चुका है। मगर आज तक इनकी समस्या का हल नहीं हुआ है। जिसके चलते एक बार पुन ब्रीडिंग चैकर के तौर पर अपनी सेवाएं देने वाले इन कर्मियों ने खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम से मिलकर समस्या के स्थायी समाधान की गुहार लगाई है। फिलहाल मंत्री ने इन कर्मियों को उनकी मांगों से जुड़ा पत्र मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

प्रदेश में अनुबंध पर रखे जाने वाले ब्रीडिंग चैकर से जुड़े दल के कर्मचारी।

मुख्यमंत्री के नाम ये सौंपा ज्ञापन

समस्त ब्रीडिंग चैकर हरियाणा से राजवीर, दलबीर, रामबीर, राजीव कुमार, हुकम चंद, गीतांजली, भारती सहित अन्य ने खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें लिखा है कि हरियाणा स्वास्थ्य विभाग हर साल पांच माह प्रति माह 20 दिन के लिए ब्रीडिंग चैकर के पदों पर अनुबंध आधार पर कर्मचारियों की भर्ती करता है। जिन्हें दैनिक रूप से 420 रुपए मासिक 8400 रुपए का भुगतान किया जाता है। इनका कार्य रासायनिक द्वारा मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम करना एवं इनके बारे जागरूकता लाना है। चूंकि रासायनिक के उपयोग से स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव देखने को मिलता है और फ्रीज, कूलर चैक करते समय एवं डोर बेल से करंट का भी खतरा बना रहता है, जो जान जोखिम में डालने समान है। इसके बावजूद ब्रीडिंग चैकर को करीब पांच माह काम करवाकर बेरोजगारी की मार के लिए छोड़ दिया जाता है। कर्मचारियों का कहना है कि जितने समय के लिए रखा जाता है, वेतन कार्य अनुरूप न देकर नामात्र दिया जाता है।

इन जिलों में ब्रीडिंग चैकर के नाम पर रखे जाते हैं इतने कर्मी

जिला	कर्मियों की संख्या	बजट (लाख में)
अंबाला	50	25,20,000 रुपए
भिवानी	20	10,08,000 रुपए
चरखी दादरी	40	20,16,000 रुपए
फरीदाबाद	40	20,16,000 रुपए
फतेहाबाद	20	10,08,000 रुपए
गुरुग्राम	40	20,16,000 रुपए
हिसार	50	25,20,000 रुपए
झज्जर	40	20,16,000 रुपए
जींद	40	20,16,000 रुपए
कैथल	20	10,08,000 रुपए
करनाल	40	20,16,000 रुपए
कुरुक्षेत्र	20	10,08,000 रुपए
महेंद्रगढ़	20	10,08,000 रुपए
नूह	20	10,08,000 रुपए
पलवल	20	10,08,000 रुपए
पंचकूला	80	40,32,000 रुपए
पानीपत	40	20,16,000 रुपए
रेवाड़ी	40	20,16,000 रुपए
रोहतक	40	20,16,000 रुपए
सिरसा	40	20,16,000 रुपए
सोनीपत	40	20,16,000 रुपए
यमुनानगर	40	20,16,000 रुपए
कुल	800	4,03,20,000 रुपए

पंचकूला में सबसे ज्यादा राशि खर्च होने के बावजूद डेंगू के सर्वाधिक केस

डेंगू-मलेरिया सीजन के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में एकमात्र पंचकूला ऐसा जिला है, जहां सबसे ज्यादा ब्रीडिंग चैकर 80 रखे गए हैं। इन पर विभाग द्वारा करीब 40,32,000 रुपए खर्च किए गए हैं। बावजूद इसके पंचकूला में ही सबसे अधिक डेंगू रोगी मिल रहे हैं। अभी तक पंचकूला में करीब 1300 से अधिक केस सामने आ चुके हैं। और तो और पांच लोगों की मौत भी हो चुकी है। बावजूद इसके डेंगू केस कम नहीं हो रहे हैं। ब्रीडिंग चैकर कर्मियों का कहना है कि विभाग कर्मचारियों को रखने के मामले में भी मनमानी वाला तरीका अपनाता है। ऐसे मामलों में भी योग्यता की बजाए चहेतों को रखा जाता है। उनकी मांग है कि सरकार हर साल फैलने वाले जनित रोग डेंगू-मलेरिया की स्थायी रोकथाम के लिए ब्रीडिंग चैकर के पदों पर भी स्थायी नियुक्ति करें ताकि पांच माह बाद करीब सात महीने तक बेरोजगारी का दंश झेलने से बचा जा सके।

फरीदाबाद में गैस रिसाव के कारण भीषण विस्फोट, एक की मौत

हरियाणा। के पलवल में मंगलवार को गैस पाइपलाइन से रिसाव के कारण हुए भीषण विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह विस्फोट पुराने जीटी रोड पर लाला लाजपत राय पार्क के पास हुआ। उन्होंने बताया कि एक सरकारी जेसीबी मशीन से एक चाय की दुकान के पास पानी की पाइपलाइन ठीक की जा रही थी, उसी दौरान विस्फोट होने से घटनास्थल पर भगदड़ मच गई। उन्होंने बताया कि आग के कारण कई दुकानें जलकर खाक हो गईं, जिनमें से तीन मंजिला एक इमारत भी है। आग में जेसीबी मशीन समेत कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। आग से करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर भेजी गयीं और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। भगदड़ के दौरान पलवल के शिव विहार कॉलोनी निवासी हरिचंद सिंगला (50) आग की चपेट में आ गए जिससे उनकी मौत हो गयी।। पुलिस ने बताया कि सिंगला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

गृह कलह से तंग महिला ने की खुदकशी

चित्रकूट। मानिकपुर थाना क्षेत्र के गढ़ा पुरवा गांव में गृह क्लेश के चलते एक महिला ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद से महिला के मायके पक्ष में कोहराम मच गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जानकारी के अनुसार ज्योति (21) पति अनूप कुमार के रूप में हुई है। मायके पक्ष का आरोप है कि ससुराल वालों ने ज्योति को जहर देकर जान से मार डाला। ज्योति के पिता ने बताया कि उनकी बेटी की शादी दो साल पहले हुई थी, लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष उसे लगातार परेशान करता था। मृतका के पिता ने बताया, हमने कई बार बेटी को समझाया, लेकिन ससुराल वालों की प्रताड़ना लगातार बढ़ती रही। अब उन्होंने मेरी बेटी की जान ले ली। हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मानिकपुर थाने में ससुराल पक्ष के खिलाफशिकायत दर्ज कराएंगे।

जेण्डर रेशियों पर दिया जाए विशेष ध्यान

चित्रकूट। मण्डलायुक्त चित्रकूट धाम मंडल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में 236 विधानसभा क्षेत्र के संबंध में राजनैतिक दलों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई । मण्डलायुक्त ने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों/उप जिलाधिकारियों से उनके क्षेत्र में मतदाता पुनरीक्षण अभियान की अद्यतन स्थिति एवं प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए जेण्डर रेशियों के संबंध में अवश्यक सुझाव भी दिये। निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण अभियान के दौरान जेण्डर रेशियों पर विशेष ध्यान दिया जाए, कहा कि अपेक्षाकृत जनपद में पुरूष मतदाताओं के सापेक्ष महिला मतदाताओं की संख्या कम है इसके लिए विशेष प्रयास कर पात्र महिला मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल किया जाए। विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत अब तक किये गये कार्यो के बारे में विभिन्न बिन्दुओं पर आंकड़ेवार जानकारी प्राप्त करते हुए समीक्षा की गयी एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

छात्रों का शोषण करने वालों पर हो कार्रवाई

चित्रकूट। भीम आर्मी एकता मिषन के बैनरतले जिलाध्यक्ष संजय कुमार गौतम के नेतृत्व मे छात्र-छात्राओ की समस्याओ को लेकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा। सौंपे ज्ञापन मे बताया कि पोद्दार इंटर कॉलेज सीतापुर में छात्रों का शोषण किया जाता है साल भर तीन गुना से अधिक शुल्क वसुली की जाती है और शिकायत करने पर नाम काट कर भविष्य ख़राब करने की धमकी दी जाती है और जांच के नाम पर अधिकारी भी मिलीभगत कर फ़र्ज़ी तरीके से गलत रिपोर्ट लगाकर उच्चाधिकारियों को गुमराह करने का काम किया जाता है सरकारी तंत्र का भी दुरुपयोग व अवैध फ़ीस वसूली कर धन का बंदरबांट किया जाता है मुख्यमंत्री सहित अन्य अधिकारियों को प्रार्थना पत्र, ज्ञापन देने के बावजूद भी किसी प्रकार से कोई कार्रवाई नहीं हुई छात्रों का शोषण करने वाले प्रधानाचार्य सहित कर्मचारियों पर कार्यवाही होनी चाहिए। इस मौके पर कुंवर सिद्धार्थ, श्रीपाल प्रजापति, लक्ष्मण पटेल, कोमल सूर्यवंशी, राहुल अंबेडकर, राहुल दिवाकर, एड राजकरण, कुलदीप वर्मा सहित मौजूद रहे।

एसपी ने दोपहिया वाहन चालकों को बांटे हेलमेट

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश कुमार द्विवेदी की उपस्थिति में यातायात माह नवम्बर जागरूकता अभियान के अन्तर्गत समाजसेवी रामबाबू गुप्ता के सहयोग से बिना हेलमेट लगाकर चलने वाले चालकों को हेलमेट देकर यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। उन्होने कहा कि सिग्नल का पालन ट्रैफ़िक सिग्नल (लाल, पीला, हरा) का पालन करना आवश्यक है। लाल सिग्नल पर रुकें, पीले पर सतर्क हो जाएं और हरे पर आगे बढ़ें। स्पीड लिमिट सड़क पर निर्धारित गति सीमा का पालन करें। यह सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, खासकर उन जगहों पर जहां लोग ज्यादा होते हैं या दुर्घटनाओं का खतरा होता है। सुरक्षा बेल्ट का प्रयोग कार में हमेशा सीट बेल्ट पहनें। हेलमेट का प्रयोग मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है, यह सिर की चोटों से बचाता है। इस दौरान समाजसेवी राजीव अग्रवाल, प्रभारी यातायात शैलेन्द्र सिंह, पीआरओं प्रवीण कुमार सिंह उपस्थित रहे।

अन्न ग्रास संग्रह वाहन को मण्डलायुक्त ने दिखायी हरी झण्डी

चित्रकूट। मंडलायुक्त चित्रकूट धाम मंडल बालकृष्ण त्रिपाठी ने नगर पालिका परिषद कार्यालय में अन्न ग्रास संग्रह अभियान वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंडलायुक्त ने गौवंश को चुनरी उढाकर गुड एवं रोटी खिलाकर विधिवत पूजा अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

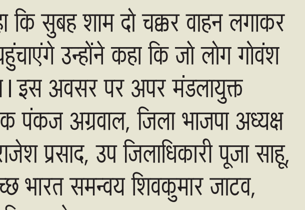

उन्होंने कहा कि जो लोग पहले खाना खाने से` अन्न ग्रास निकालते हैं उसे इकट्ठा कर हम लोग गौशालाओं में भेजेंगे। हर घर में अन्न ग्रास निकाला जाता है जिसको हम लोग गौशाला तक नहीं पहुंचा पाते, इसलिए इसे नगर पालिका द्वारा प्रारंभ किया गया है कहा कि सुबह शाम दो चक्कर वाहन लगाकर जो अन्न ग्रास इकट्ठा होगा गौशाला में पहुंचाएंगे उन्होंने कहा कि जो लोग गोवंश की सेवा भावना रखते है उसे पूरा होगा। इस अवसर पर अपर मंडलायुक्त भगवान शरण, अध्यक्ष कोऑपरेटिव बैंक पंकज अग्रवाल, जिला भाजपा अध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, अपर जिलाधिकारी राजेश प्रसाद, उप जिलाधिकारी पूजा साहू, उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम, स्वच्छ भारत समन्वय शिवकुमार जाटव, सफ़ाई इंस्पेक्टर कमलाकांत शुक्ला उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर निस्तारण की उठाई मांग

महोबा। आंगनबाड़ी कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान न होने से वह खासा परेशान हैं। आंगनबाडी कर्मचारियों द्वारा अनेकों बार तमाम अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की चौखट पर दस्तक दी, लेकिन नतीजा शून्य निकला, जिसको लेकर सहायिका संगठन की जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में दर्जनों आंगनबाड़ी कर्मचारी अपनी समस्यों को लेकर चरखारी विधायक से मिली और पांच सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का निस्तारण कराए जाने की गुजारिश की गई। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि भारत सरकार के पोषण दो में निमी कार्यकत्रियों के बराबर पद अपग्रेड करके सामान कर दिया जाए साथ ही सामान्य कार्यकत्रियों के बराबद मानदेय और अन्य सुविधाएं दी जाएं। कार्यकत्रियों के 62 वर्ष की आयु सेवा उपरांत सेवा निवृत्त होने पर दस लाख रुपये एक मुश्त फंड के रुप में देने के साथ आजीवन पेंशन दिए जाने की व्यवस्था भी कराए जाए साथ ही योग्यता के आधार पर शत प्रतिशत मुख्य सेविका के पद पर प्रमोशन किया जाए सहित अन्य मांगों का ज्ञापन विधायक ब्रजभूषण राजूतप को सौंपा गया। इस मौके पर सहायिका संगठन की जिलाध्यक्ष आसमीन खातून, चंद्रप्रभा राजपूत, रुमा यादव, शिवकली, मनोरमा, सुमन, रेखा, चांदनी, राजकुमारी, सुखदेवी, रामश्री, पानकुंवर सहित तमाम कार्यकत्रियां व सहायिका मौजूद रही।

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है किसी विज्ञापन पर किसी भी प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में अपनी पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता या विज्ञापनदाता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापन दाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है कि कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले विज्ञापन के बारे में पूर्ण जांच पड़ताल कर लें तब आगे बढ़े। समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के बारे में किसी पाठक के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

गंदगी देखकर सीएम सलाहकार ने रोक दी गाड़ी, ईओ को फटकारा

चित्रकूट से कामतानाथ का दर्शन करने के बाद लखनऊ जा रहे थे सलाहकार

बबेरू मुख्य चौराहे पर ईओ को बुलवाया और खुद दिखाई चोक पड़ी नालियां

■ बांदा

सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ के सलाहकार चित्रकूट से कामतनाथ दर्शन करने के बाद कार से लखनऊ जा रहे थे। वह बबेरू के मुख्य चौराहे से गुजरे तो उन्हें चोक नालियां और कचरे के ढेर नजर आए। उन्होंने अपनी कार को चौराहे पर किनारे रुकवा दिया। इसके बाद नगर पंचायत ईओ को मौके पर बुलवाया और खुद ही उन्हें गदंगी दिखाई। कहा कि स्वच्छता अभियान को इस तरह से पलीता लगाया जा रहा है। एक सप्ताह के अंदर उन्होंने कस्बे की सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के साथ ही नालियों की सफाई कराने की बात कही। चेतावनी दी कि ऐसा न होने पर कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

बबेरू मुख्य चौराहे पर मौजूद सीएम सलाहकार अवनीश अवस्थी।

सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी रविवार की दोपहर को चित्रकूट से वापस लखनऊ जा रहे थे। उनकी कार बबेरू चौराहे पर पहुंची तो उसके समीप ही चोक पड़ी नालियां और गंदगी के ढेर नजर आए। यह देखकर उन्होंने बबेरू मुख्य चौराहे पर गाड़ी रुकवा दी। इसके बाद उन्होंने ईओ को बुलवाया। नगर पंचायत ईओ ब्रजकिशोर को खुद ले जाकर चोक पड़ी नालियां और गंदगी दिखाई। कहा कि स्वच्छता अभियान का पालन बबेरू नगर पंचायत नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के अंदर व्यवस्थाएं दुरुस्त हो जानी चाहिये। चेतावनी दी कि नालियों की सफाई और कस्बे की सफाई व्यवस्था दुरुस्त न हुई तो कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

इस दौरान लोगों की भीड़ भी मौके पर जमा हो गई। सीएम के सलाहकार ने कहा कि एक सप्ताह में उन्हें सफाई व्यवस्था दुरुस्त करते हुए रिपोर्ट प्रेषित करें।

वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम

बांदा। नरैनी रोड स्थित हिरा मॉडल और हिरा इस्लामिया इण्टर कालेज में 28वीं वार्षिक कीड़ा प्रतियोगिता का समापन डीआईटीएस विजयपाल सिंह के द्वारा किया गया। इसके पूर्व विद्यालय के उप प्रधानाचार्य द्वारा उनका माल्यार्पण और बैच अलंकरण करके स्वागत किया गया। डीआईओएस ने कहा कि खेल-कूद की इस प्रतियोगिता मे विद्यालय भविष्य मे अच्छे-अच्छे खिलाड़ी निकलने की सम्भावनाएं हैं। क्योकि सभी शिक्षको द्वारा जो लगन देखी है उससे यही प्रतीत होता है। डीआईओएस, शाहिद वली खान वरिष्ठ हाकी खिलाड़ी और कोच खानकाह इण्टर कालेज रहमान अली वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी द्वारा कबड्डी टीम के खिलाड़ियों द्वारा परिचय लेकर मैच का प्रारम्भ किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने बताया की कबड्डी मैच के अतिरिक्त इस वर्ष सीनियर व जूनियर छात्र-छात्राओ द्वारा कबडड़ी, खो-खो, बैड मिंटन, रेस-200 मीटर एवं रेस-100 मीटर आदि प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया है। वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता के दौरान हिरा मॉडल एवं हिरा इस्लामिया इण्टर कालेज में खो-खो खेल प्रतियोगिता का फाइनल मैच हुआ, जिसका टॉस डीआईओएस ने सिक्का उछालकर किया। इसके पूर्व मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियो का बैच अलंकरण किया गया था। जिसमे 100 मीटर रेस मे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अलकैफ अली, हसन वारसी और आतिफ राजा, मयुजिकल चेयर रेस मे मोहम्मद असद खान, आयुष सिंह और मोमना खान इसी प्रकार बॉल बैलेंसिंग रेस मे मोहम्मद इब्राहीम, जीशान अहमद, अब्दुल्ला एवं मुजम्मिल खान स्टैंडिंग बोर्ड जम्प रेस में आर्यन खान, यावर रब्बानी और सुम्बुल तथा इण्टरटेनमेन्ट रेस मे मो0 अर्श, सैय्यद सिबतैन रब्बानी एवं जुलफा खान ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में बैड-मिन्टन प्रतियोगिता में इलमा खान विनर और अंजली देवी रनर रही।

भगत सिंह इंकलाब टीम ने जीता फाइनल मैच

बांदा। बाबूलाल चौराहा स्थित राइफल क्लब ग्राउंड में रविवार को टी-10 लीग कैनवारस बॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच राजगुरू स्ट्राइकर्स और भगत सिंह इंकलाब टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में भगत सिंह इंकलाब की टीम ने मैच जीतकर ट्राफी पर कब्जा कर लिया। टीम को एक लाख रुपये का इनाम और ट्राफी दी गई। इसके साथ ही उप विजेता राजगुरू स्ट्राइकर्स टीम को 60 हजार रुपये का ईनाम दिया गया। इसके साथ ही अंक तालिका में तीसरे और चौथे स्थान पर पहुंची टीम को 30-30 हजार रुपये का ईनाम दिया गया। फाइनल मैच में राइफल क्लब ग्राउंड में भगत सिंह इंकलाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी करने का निर्णय लिया। राजगुरु स्ट्राइकर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाए। जवाब में भगत सिंह इंकलाब टीम छोटे से लक्ष्य को हासिल करने में 9 विकेट खो दिए। अजय यादव ने बहुमूल्य 19 गेंद में 27 रनों की पारी खेली। अनिल सिंह की शानदार गेंदबाजी से उन्हें मैन ऑफ़ द मैच चुना गया। फाइनल मैच के मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार भगत सिंह इंकलाब के खिलाड़ी अनिल सिंह को दिया गया। मैन ऑफ़ द सीरीज जाहिद अली बने। बेस्ट गेंदबाज अनिल सिंह और बेस्ट बल्लेबाज नीरज घोषित किए गए।राजगुरु स्ट्राइकर्स की ओर से बल्लेबाज अभिषेक निषाद ने 9 गेंद 19 रन बनाए। अनिल सिंह ने दो ओवर में छह रन देकर चार विकेट हासिल किए। भगत सिंह इंकलाब की ओर से बल्लेबाजी करते हुए अजय यादव ने 19 गेंद 27 रन बनाए। जबकि राजगुरू स्ट्राइकर्स के गेंदबाज अभिषेक निषाद ने दो ओवर में 10 रन देकर दो विकेट हासिल किए। विजेता भगत सिंह इंकलाब टीम को एक लाख रुपये का नगद इनाम और ट्राफी दी गई।

एनसीसी कैडेटों ने निकाली स्वच्छता जागरूकता रैली

■ बांदा

60 उत्तर प्रदेश एनसीसी बटालियन के अधीन संचालित आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज की एनसीसी इकाई ने रविवार को एनसीसी दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण के साथ की। इसके बाद एनसीसी कैडेट ने मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया सरस्वती वंदना के बाद अतिथियों का स्वागत और सम्मान के साथ एनसीसी कैडेट द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें कैडेट विष्णु ने अपने संभाषण में देशभक्ति का जज्बा पैदा किया।

चीफ ऑफिसर मंगल प्रसाद ने एनसीसी के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देते हुए एनसीसी के उद्देश्यों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इसके बाद मुख्य अतिथि मेजर मिथिलेश कुमार पांडे ने क्रेडिट को संबोधित करते हुए एक अच्छे नागरिक बनने के लिए एवं देश सेवा के लिए प्रेरित किया। इसके बाद मुख्य अतिथि मेजर मिथिलेश कुमार पांडे ने हरी झंडी दिखाकर स्वच्छता जागरूकता रैली को रवाना किया। रैली बाबूलाल चौराहा गुलर नाका पीली कोठी छावनी होते हुए विद्यालय में समाप्त हुई रैली का नेतृत्व लेफ्टिनेंट राम प्रसाद नायक सूबेदार संजय सिंह हवलदार अमरेंद्र सिंह हवलदार अर्जुन सिंह ने किया जिसमें कैडेट मोहित कुमार सत्यम सोनी गौतम अहिरवार गोविंद द्विवेदी अंकित यादव सत्यवीर यादव कौशिक मदन सिंह तथा पूर्व अंडर ऑफिसर योगेंद्र कुमार का योगदान सराहनीय रहा कार्यक्रम में लगभग 220 एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता में विधायक ने बच्चों को बांटे प्रमाण पत्र

■ चित्रकूट

मऊ विकासखण्ड के पूरब पताई गांव मे विभिन्न खेलकूद प्रतियागिताये संपन्न हुई। जिसमे अतिथियो द्वारा बच्चो को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

इस दौरान कबड्डी बालक/बालिका विजेता जूनियर व सब जूनियर में 400 मीटर सीनियर बालक प्रथम ओम प्रकाश रामगोपाल पटोरी द्वितीय, राहुल खरवार तृतीय . चतुर्थ 400 मीटर जूनियर बालक मे प्रथम जागेश कुमार, द्वितीय राजाराम, तृतीय संदीप, जूनियर बालिका 800 मीटर दौड मे प्रथम मलिका देवी, द्वितीय सीता देवी, तृतीय अंजली जूनियर बालिका 400 मीटर प्रथम अंजली यादव, द्वितीय रागनी, तृतीय विभा यादव, जूनियर बालक 200 मीटर दौड़ मे प्रथम संदीप सिंह, द्वितीय शिवेश यादव, तृतीय 1500 मीटर सीनियर बालक प्रथम नागेश कुमार, द्वितीय जितेंद्र, तृतीय कृष्ण पांडे सब जूनियर बालक 800 मीटर प्रथम भीम सरोज, द्वितीय सचिन कुमार, तृतीय अनीश कुमार, 200 मीटर जूनियर बालिका प्रथम मालती, द्वितीय शान्ति, तृतीय अंजली यादव, सब जूनियर बालिका 100 मीटर प्रथम कांति, द्वितीय नव्या, तृतीय प्रिया त्रिपाठी, बालक 100 मीटर प्रथम संदीप सिंह, द्वितीय कृष्ण पांडे, तृतीय शिवेश यादव, जूनियर बालिका 100 मीटर प्रथम सविता, द्वितीय शान्ति, तृतीय रागनी, सीनियर बालक 100 मीटर प्रथम आशीष कुमार, द्वितीय विद्या सागर, तृतीय अभिषेक यादव, 100 मीटर दौड़ सब जूनियर बालक प्रथम शुभम द्वितीय अभिनय कुमार तृतीय इंद्रसेन मवई, 400 मीटर सीनियर बालक प्रथम अजय, द्वितीय शिवपूजन, तृतीय अश्विन गोला फेंक प्रतिभागी जूनियर बालक प्रथम प्रशान्त मिश्रा द्वितीय गौरीश त्रिपाठी, तृतीय अतुल त्रिवेणी गोला फेंक जूनियर बालिका प्रथम मानसी द्वितीय सिमरन सविता तृतीय मालती, जूनियर बालिका डिस्कस थ्रो प्रथम सविता, द्वितीय मालती, तृतीय दिव्या शुक्ला, गोला फेंक सब जूनियर बालक प्रथम शिवम मिश्रा द्वितीय रामफ्ल तृतीय विकाश उमेश रहे। सभी प्रतिभागियो को विधायक मऊ मानिकपुर, अविनाश चंद्र द्विवेदी, एसडीएम मऊ सौरभ यादव, पुरुषोत्तम द्विवेदी इंटर कॉलेज मऊ प्राचार्य दिनेश कुमार भार्गव, जिला युवा कल्याण अधिकारी शैलेश उपाध्याय, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अखण्ड प्रताप, उदय भान ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

रामलीला में राम भरत मिलाप का मंचन देख दर्शक हुए भावुक

महोबा। श्री आदर्श रामलीला मंच के कलाकारों द्वारा कस्बा बेलाताल किए जा रहे रामलीला के आठवे दिन राम केवट संवाद, भरत मिलाप का मंचन किया गया। रामलीला में कलाकारों का अभियन देख दर्शक मंत्र मुग्ध हो गए, वहीं वन में राम भरत का मिलाप देख सभी लोग भावुक हो उठे। रामलीला का मंचन देखने के लिए स्थानीय लोगों के अलावा आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। धार्मिक नगरी कस्बा बेलाताल में चल रहे श्री रामलीला महो में कलाकारों द्वारा मंचन किया गया कि धर्मात्मा भरत ने राज्य ग्रहण करना अस्वीकार कर दिया और गुरुदेव की आज्ञा लेकर प्रभु श्रीराम को मनाकर वापस लाने के लिए चित्रकूट चल पड़े। चित्रकूट में राम भरत मिलाप होता है। धर्म पालन की मर्यादा को समझाते हुए प्रभु श्रीराम ने भरत के अनुनय विनय को अस्वीकार कर दिया और उन्हें प्रतीक के रूप में अपनी चरण पादुकाएं प्रदान कर दीं। प्रभु श्रीराम की चरण पादुकाओं को शिरोधार्य कर भरत अयोध्या वापस आए। सिंहासन पर राम की चरण पादुकाओं को स्थापित कर स्वयं नंदी ग्राम में तपस्या करने लगे। इसी तरह कलाकारों द्वारा राम केवट संवाद का मंचन कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस मौके पर रामलीला मंच के वरिष्ठ एवं युवा कलाकारों को उनकी प्रतिभा के अनुसार सम्मानित किया गया। रामलीला से पूर्व एडीओपंचायत हरिशंकर मिश्रा, नंदकिशोर गुप्ता ने भगवान श्रीराम की आरती उतारकर रामलीला कीशुरूआत कराई।

अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस के साथ वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

■ महोबा

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद महोबा में अपराध की रोकथाम हेतु अवैध शस्त्र धारक अभियुक्तों के विरुद्ध चलाये जा रहे सघन चेकिंग/बरामदगी एवं गिरफ्तारी अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह व क्षेत्राधिकारी चरखारी रविकान्त गोंड के निकट पर्यवेक्षण में थाना श्रीनगर प्रभारी निरीक्षक शिवपाल सिंह के द्वारा गठित की गई उ0नि0 संदीप विमल व उ0नि0 विकाशधर दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना श्रीनगर में पंजीकृत मु0अ0सं0 262/2024 धारा 125(ए)/115(2)/352/351(2)/126(2) बीएनएस से सम्बन्धित एक नफ़र वांछित अभियुक्त द्रगचन्द्र रैकवार पुत्र परमेश्वरी दयाल उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम पुरवा पनवाड़ी थाना अजनर जनपद महोबा को सेलामाफ तिराहे के पास वहद ग्राम ननौरा से गिरफ्तार किया है, इस दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर नाजायज की बरामदगी की गयी है। को समय 20.12 बजे अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से हुए अवैध शस्त्र की बरामदगी के आधार पर थाना श्रीनगर में मु0अ0सं0 263/24 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया एवं नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही कर अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेशी हेतु भेजा गया।

जितने पढ़े लिखे वे सब है.. संतरी बने, अपराधी माफिया है जो वो मंत्री बने

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कवियों नें अपनी कविताओं सें दर्शकों का मन मोहा

■ महोबा

चरखारी के ऐतिहासिक गोवर्धन्नाथ जू मेले में शनिवार की शाम कवियों के नाम रही। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में स्थानीय और बाहरी कवियों ने अपनी वीर हास्य और श्रृंगार रस की कविता सुनाकर दर्शकों को पूरी रात जागने के लिए मजबूर कर दिया तो वहीं हास्य कवियों ने अपनी रचनाओं से गुदगुदाते हुए लोगों को नींद का एससास तक नहीं हो दिया।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का शुभारम्भ चरखारी विधायक डा0 बृजभूषण राजपूत ने मां सरस्वती की चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ज्वल कर किया और अयोध्या से आयी कवित्री रूचि द्विवेदी सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन शुरूआत करते हुए औरैया से आए कवि अजय अंजमा ने रचना सुनाई कि जंग जो ठनेगी रक्तबीज दानवों से यदि बेटियां ही कालिका भवानी बन जाएंगी, शीश जो

कवि सम्मेलन में अपनी कविताओं को सुनाते कवि

उठाएंगी अंग्रेजों की औलाद तो ये बेटियां ही झांसी वाली रानी बन जाएगी। धौलपुर से आए हास्य कवि रामबाबू सिकरवार ने रचना सुनाई कि गधां अब झूल सिलवाओ जमाना खूब आया है, बिन पढ़े डिग्री पाओ जमाना खूब आया है। जिसे सुन श्रोताओं अपनी हंसी नहीं रोक सके। गुजरात से आए कवित्री सुमित्रा सरल ने कविता सुनाई कि कभी जब डूब जाती हूँ तो नैया देख आती हूं मैं मानस में लिखा पावन सवैया देख आती हूं। मेरे मंदिर न जाने का सबब सखियों से क्या बोलूं, मैं छत पर शाम को अपना कन्हैया देख आती हूं को दर्शकों ने खूब सराहा।

अन्तराष्ट्रीय मंचों पर ठहाके लगवाने वाले तथा मंच के सबसे वृद्ध कवि अखिलेश द्विवेदी प्रयागराज ने चरखारी मंच पर पहुंचकर मंच का गौरव बढ़ाया और एक के बाद एक हास्य की रचनाओं से पूरा पंडाल ठहाकों से गूंजता नजर आया। उन्होंने रचना पढ़ी कि जितने पढ़े लिखे वे सब है संतरी बने, अपराधी माफिया है जो वे मंत्री बने, अपना विवाह करके जो पत्नी को छोड़ दे वो अपने देश के प्रधानमंत्री बने पर हर खास और आम ने दिल खोलकर मुबारकबाद दी। गजेंद्र प्रियांशु बाराबंकी ने कविता सुनाई कि वह थी झूठी मगर इतनी झूठी न थी उसकी उंगली में मेरी अंगूठी न थी। स्थानीय कवि प्रदीप दिहुलिया ने चाहते हो जीवन को सफल बनाना यदि पत्नी की हां में हां मिलाते चले जाइये रचना सुनाई। कवि सम्मेलन का संचालन देवास से आए कवि शशिकांत यादव ने किया और मंच से श्रोताओं को बांधे रखने में प्रमुख भूमिका अदा की।

संक्षिप्त समाचार

निर्दलीय विधायक पर हमले की जांच सीआईडी करेगी

कडक । ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय विधायक हिमांशु साहू पर कथित हमले की विस्तृत जांच का जिम्मा अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया गया है। ओडिशा सरकार ने रविवार को यह आदेश दिया। साहू ने 20 नवंबर को आरोप लगाया था कि जाजपुर में एक आधिकारिक बैठक में भाग लेने के लिए जाते समय एक आंदोलन के दौरान विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) के समर्थकों ने उन पर हमला किया था। आदेश में कहा गया है कि इस मामले की सीआईडी के पुलिस उपाधीक्षक सरोज कांत मोहंता के नेतृत्व में एक विशेष टीम जांच करेगी।

दवा निर्माण इकाई में आग लगने से श्रमिक घायल

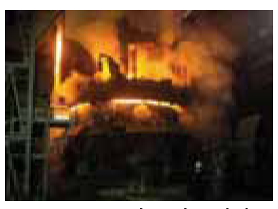

ठाणे । महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक दवा निर्माण इकाई में आग लगने से 38 वर्षीय श्रमिक घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि अंबरनाथ क्षेत्र में आनंद नगर एमआईडीसी (महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम) स्थित फैक्टरी में रविवार रात करीब 10 बजे आग लग गई। ठाणे पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारण अनिल यादव नामक एक कर्मचारी झुलस गया है और उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तड़वी ने बताया कि आग में फैक्टरी जलकर खाक हो गई। उन्होंने बताया कि अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर और कल्याण से आए दमकल कर्मियों के चार दलों ने देर रात पौने तीन बजे आग को नियंत्रित कर लिया। तड़वी ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

पंजाब के फरीदकोट में भीषण सड़क हादसा

फरीदकोट । पंजाब के फरीदकोट में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां एक तेज रफ्तार कार की ट्रैक्टर ट्रॉली से टक्कर हो गई, जिसमें कार सवार दो लोगों की मौत हो गई।
मामला फरीदकोट के सादिक राज मार्ग का है। बताया जा रहा है कि रविवार देर रात एक कार धान की बोरियों से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और इस हादसे में दो लोगों की जान चली गई। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही उन्होंने एक घायल शख्स को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। हालांकि, उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। इससे पहले 18 नवंबर को पंजाब में जालंधर के पठानकोट बाईपास के पास भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई थी।

पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था

संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी-धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाने की मांग वाली याचिका खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्द हटाने की मांग वाली याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। ये याचिकाएं पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य के द्वारा दायर की गईं थी। गौरतलब है कि साल 1976 में पारित हुए संविधान संशोधन के तहत धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद जैसे शब्दों को जोड़ा गया था। बीते शुक्रवार को ही सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका को खारिज करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि 'इस याचिका पर विस्तार से सुनवाई करने की जरूरत नहीं है।' सीजेआई ने कहा कि 'समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द 1976 में संविधान संशोधन के जरिए जोड़े गए थे और इनसे 1949 में अपनाए गए संविधान पर कोई फर्क नहीं पड़ता।' बता दें कि 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संवैधानिक संशोधन करके संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द शामिल किए थे। इस संशोधन के

बाद प्रस्तावना में भारत का स्वरूप 'संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य' से बदलकर 'संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य' हो गया था। सुनवाई के दौरान अपनी दलील देते हुए याचिकाकर्ता अधिवक्ता विष्णु कुमार जैन ने नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक हालिया फैसले का हवाला दिया। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 39(बी) पर 9 जजों की पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने ₹समाजवादी₹ शब्द की उस व्याख्या पर असहमति जताई जिसे शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी ने प्रतिपादित किया था। इस पर सीजेआई खन्ना ने कहा कि भारतीय संदर्भ में हम समझते हैं कि भारत में समाजवाद अन्य देशों से बहुत अलग है। हम समाजवाद का मतलब मुख्य रूप से एक कल्याणकारी राज्य समझते है। कल्याणकारी राज्य में उसे लोगों के कल्याण के लिए खड़ा होना चाहिए और अवसरों की समानता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने 1994 के एसआर बोम्मई मामले में ₹धर्मनिरपेक्षता₹ को संविधान की मूल संरचना का हिस्सा माना था। वकील जैन ने आगे तर्क दिया कि संविधान में 1976 का संशोधन लोगों को सुने बिना पारित किया गया था क्योंकि यह आपातकाल के दौरान पारित किया गया था। इन शब्दों को शामिल करने का मतलब लोगों को विशिष्ट विचारधाराओं का पालन करने के लिए मजबूर करना होगा। उन्होंने कहा कि जब प्रस्तावना एक कट-ऑफ तारीख के साथ आती है, तो इसमें नए शब्द कैसे जोड़े जा सकते हैं? पीठ ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 368 संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति देता है और इसके विस्तार में प्रस्तावना भी आती है।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर एक स्मारक टिकट भी जारी किया जाएगा

प्रधानमंत्री आज अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन की करेंगे शुरुआत

- **30 नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन में 100 से ज्यादा देशों के 1,500 प्रतिनिधि शामिल होंगे**
- **130 साल के इतिहास में पहली बार भारत में वैश्विक सहकारिता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा**

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को भारत मंडपम में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। 30 नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन में 100 से ज्यादा देशों के 1,500 प्रतिनिधि शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता गठबंधन के 130 साल के इतिहास में पहली बार भारत में वैश्विक सहकारिता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर एक स्मारक टिकट भी जारी किया जाएगा। कार्यक्रम में भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे के और फिजी के उप प्रधानमंत्री मनोआ कामिकामिका भी सम्मिलित होंगे। सहकारी आंदोलन के विकास के लिए मंत्रालय की ओर से तीन साल में की गई 54 पहलों को लेकर भी इस आयोजन में विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि दुनिया भारत में सहकारिता के बढ़ते कदमों से परिचित हो सके। जानकारी के अनुसार आयोजन के दौरान रोशडेल पायनियर अवार्ड-25 भी प्रदान किए जाएंगे। यह सहकारी समितियों के विकास और अंतरराष्ट्रीय सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए व्यक्तियों या संगठन को दिया जाता है।

मणिपुर में हैवानियत: जिरिबाम में तीन शवों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिले बर्बरता के साक्ष्य

ढाई साल के मासूम को चेहरे पर मारी गोलियां चाकू से गोदा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा

एजेंसी, इंफाल

हिंसाग्रस्त मणिपुर के जिरिबाम जिले में अपहरण किए छह लोगों को बड़ी नृशंसता से मारा गया था। उग्रवादियों में किस कदर हैवानियत भरी थी इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ढाई साल के बच्चे को चेहरे पर गोलियां मारकर मौत के घाट उतारा था। यही नहीं उसके सीने और हाथ को चाकू से गोदा गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने के बाद यह खुलासा हुआ है। बच्चे का पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक भी शव की हालत देखकर सिहर गए थे। जब चेहरे पर गोलियां मारने से हमलवरों का जी नहीं भरा तो उसके पूरे शरीर पर हमला किया। उसकी दाहिनी आंख भी गायब मिली है। रविवार को छह में तीन लोगों के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट सामने आई है। महिला लेशराम हेइतोम्बी देवी (25) को उसके सीने के पीछे तीन बार गोली मारी गई थी। चौथी गोली पीछे मारी गई थी। गोलियों से उसके दिल, फेफड़े और पसलियां कट गईं जिससे उसकी मौत हो गई। युरेम्बम रानी देवी (68) को पांच गोलियां लगीं एक सिर में, दो छाती में, एक पेट में और एक बांह में। अभी अन्य लोगों की रिपोर्ट आनी बाकी है।

मामले की जांच कर रही एनआईए

मणिपुर सरकार ने कहा है कि योजनाबद्ध अपहरण और हत्याएं कुकी उग्रवादियों द्वारा की गईं। मामले की जांच एनआईए कर रही है। गौरतलब है कि 11 नवंबर को जिरिबाम के बोरोबेकरा इलाके में राहत शिविरों से कुकी उग्रवादियों ने मैतेई समुदाय के छह लोगों को अगवा कर लिया था। उनके शव जिरिबाम में जिरी नदी और असम के कछार में बराक नदी में पाए गए थे। इसके बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों से लोगों और संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया।

हमले के आरोप में सात और गिरफ्तार

विधायकों और मंत्रियों के घरों पर प्रदर्शनकारियों की ओर से की गई तोड़फोड़ और आगजनी मामले में दो दिनों में सात आरोपी और पकड़े गए हैं। मामले अब तक कुल 41 लोग पकड़े जा चुके हैं। शांति स्थापित करने के लिए राज्य में केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बल के 1.42 लाख जवान तैनात किए गए। रिपोर्ट के अनुसार मौत के लगभग सात दिन बाद 18 नवंबर को शव एसएमसीएच लाया गया था। बच्चे की नानी रानी देवी को भी सिर में गोली मारी गई। उन्हें कुल पांच गोलियां लगीं। उनकी मृत्यु के कम से कम तीन से पांच दिन बाद 17 नवंबर को शव एसएमसीएच लाया गया।

कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार रात का तापमान सामान्य से अधिक

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सोमवार को सुधार देखा गया और यह 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 281 दर्ज किया गया, जबकि रविवार को शाम चार बजे यह 318 था। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को ''अच्छा'', 51-100 को ''संतोषजनक'', 101-200 को ''मध्यम'', 201-300 को ''खराब'', 301-400 को ''बहुत खराब'', 401-450 को ''गंभीर'' तथा 450 से ऊपर को ''बेहद गंभीर'' माना जाता है। बहरहाल, दिल्ली के 39 निगरानी केंद्रों में से 15 ने एक्यूआई को 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया। शादीपुर में सबसे अधिक खराब एक्यूआई (353) रहा। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.7 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने सुबह या रात के समय मध्यम कोहरा छाए रहने का अनुमान जताया है तथा अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 85 प्रतिशत रहा।

11 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा गया

जयपुर । राजस्थान से छह नाबालिग सहित 11 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस बांग्लादेश भेजा गया है। इसके साथ ही यहां उनकी मदद करने के आरोप में दो भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अधिकारियों के अनुसार, सभी अवैध प्रवासियों को अलवर के 'डिटेंशन सेंटर' में भेजा गया था और फिर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मदद से निर्वासन की आगे की कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि कुछ बांग्लादेशी नागरिक जयपुर के भांकरोटा इलाके में रह रहे हैं। आरोपियों को बांग्लादेशी जन्म प्रमाण पत्र, पहचान पत्र और चरित्र प्रमाण पत्र के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश में एजेंसियों से प्रवासियों के बारे में जानकारी जुटाई गई और दिल्ली में गृह मंत्रालय को सूचित किया गया। उन्हें आज बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि सभी अवैध प्रवासियों ने दो आरोपियों के माध्यम से जाली तरीकों से आधार कार्ड हासिल किया था, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है तथा अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हिजबुल्लाह का 200 रॉकेट से हमला

इजरायली सेना ने गाजा में एक और क्षेत्र खाली करने का दिया आदेश

एजेंसी, काहिरा

इजरायली सेना ने पूर्वी गाजा के शेजाइया में रहने वाले लोगों को क्षेत्र खाली करने का आदेश दिया है। इजरायली सेना के प्रवक्ता द्वारा जारी आदेश में आतंकवादियों द्वारा उस क्षेत्र से रॉकेट दागने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले भी स्थान खाली करने का आदेश दिया जा चुका है। इजरायली ड्रोन हमले में गाजा स्थित एक अस्पताल के निदेशक घायल हो गए हैं। सेना की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सुरक्षा के लिए, आपको तुरंत दक्षिण की ओर निकल जाना चाहिए। फलस्तीनी मीडिया में प्रसारित फुटेज में शेजाइया में रहने वालों को सामान लेकर दूसरी जगह जाते देखा जा सकता है। इसमें बच्चे भी नजर आ रहे हैं। मध्य गाजा में, स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि शनिवार रात से अल-मगाजी और अल-ब्यूरिज में शिविरों पर हवाई हमलों में 10 फलस्तीनी मारे गए। हिजबुल्ला ने रविवार को इजरायल में लगभग 200 रॉकेट दागे। यह हमला बेरूत में घातक इजरायली हमलों के जवाब में किया गया। शनिवार को इजरायली विमानों ने पूर्वी लेबनान के कस्बों और गांवों पर सात और दक्षिण के कस्बों और गांवों पर 10 हमले किए। इजरायली हमले में 20 लोग मारे गए थे और 66 अन्य घायल हो गए थे।

हिंदुओं को निशाना बनाए जाने के विरोध में निकाली रैली

वॉशिंगटन । कनाडा और बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचाया जा रहा। इस बीच, सिलिकॉन वैली में भारतीय अमेरिकियों ने हिंदुओं के प्रति अपनी एकजुटता दिखाने के लिए रैली निकाली। मिलपिटास सिटी हॉल में बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करते हुए प्रमुख सामुदायिक नेताओं ने हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के बारे में बात की। साथ ही अमेरिकी नेताओं से मानवाधिकार उल्लंघनों की निंदा करने और कनाडा तथा बांग्लादेश की सरकारों को उनकी हिंदू अल्पसंख्यक आबादी की सुरक्षा के लिए जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। खाड़ी क्षेत्र दो लाख से अधिक भारतीय अमेरिकियों का घर है। बताया जा रहा कि रैली में शामिल लोगों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में श्रद्धालुओं पर हुए हमले की सही तरीके से जांच नहीं होने पर निराशा जताई। 'अमेरिकन्स फॉर हिंदूज' के डॉ. रमेश जपरा ने कनाडा में खालिस्तानियों द्वारा कनाडा में हिंदुओं और बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूहों पर किए जा रहे हमलों की आलोचना की।

भाजपा शीर्ष नेतृत्व करेगा अंतिम फैसला

महायुति की बैठकों का दौर मुख्यमंत्री पद के लिए दबाव की राजनीति

- **मुख्यमंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम सबसे आगे चल रहा**
- **एनसीपी के नेताओं की तरफ से भी मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी की जा रही**
- **महायुति नेताओं की भाजपा शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक में ही होगा**

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र में महायुति की ऐतिहासिक जीत के बाद अब सरकार बनाने की कवायद तेज हो गई है। गठबंधन के घटक भाजपा, शिवसेना व एनसीपी में अलग-अलग बैठकों का दौर चल रहा है। साथ ही सीएम पद को लेकर दबाव बनाने की राजनीति भी शुरू हो गई है। सबसे बड़ी पार्टी के रूप में भाजपा की तरफ से सीएम पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम सबसे आगे चल रहा है। लेकिन शिवसेना और एनसीपी के नेताओं की तरफ से भी मुख्यमंत्री पद पर दावेदारी की जा रही है। हालांकि, अंतिम फैसला महायुति नेताओं की भाजपा शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक में ही होगा। एनसीपी के विधायक दल की रविवार को हुई बैठक में अजीत पवार को नेता चुना गया। पार्टी के नेता छगन भुजबल ने अजीत पवार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। वहीं, शिवसेना विधायकों ने एकनाथ शिंदे को अपना नेता चुना। पार्टी नेता प्रताप सरनाईक ने कहा कि सभी विधायक चाहते हैं कि शिंदे सीएम बने रहें।

विधानसभा का कार्यकाल 26 तक

नई सरकार का गठन मंगलवार तक होना है। विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि सोमवार या मंगलवार को नई सरकार का गठन हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, पहले सिर्फ मुख्यमंत्री व दो उपमुख्यमंत्री को शपथ दिलाई जा सकती है।

बीएमसी चुनाव पर नजर

एकनाथ शिंदे सीएम कार्यालय छोड़ने के लिए अनिच्छुक बताए जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि शिंदे की पद छोड़ने की अनिच्छा उनके एक रणनीतिक तर्क में निहित है। उनका मानना है कि उनका पद पर बने रहना आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति गठबंधन के लिए फायदेमंद होगा, जिसमें महत्वपूर्ण बीएमसी चुनाव भी शामिल हैं।

एकनाथ शिंदे गुट का तर्क

एकनाथ शिंदे का तर्क है कि शहरी और मराठी मतदाताओं के बीच उनकी अपील राज्य की राजनीति पर गठबंधन की पकड़ को और मजबूत कर सकती है। इससे स्थानीय चुनावों में फिर से महायुति की जीत सुनिश्चित हो सकती है।

केंद्र ने एकरूपता के लिए जारी किए दिव्यांग आरक्षण के दिशानिर्देश

40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वालों को मिलेगा 4 प्रतिशत आरक्षण

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र ने कम से कम 40 प्रतिशत दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण और पदों की पहचान सुव्यवस्थित करने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें ऐसे पदों की समय-समय पर पहचान और उनका मूल्यांकन करने के लिए समितियों का गठन अनिवार्य किया गया है। साथ ही दृष्टि बाधित, चलने-फिरने में अक्षम, श्रवण बाधित व बौद्धिक अक्षमता सहित विभिन्न श्रेणियों में सीधी भर्ती और पदोन्नति में चार प्रतिशत आरक्षण का भी प्रविधान किया गया है।

क्यों उठाया गया यह कदम?

दिशा-निर्देशों में यह भी कहा गया है कि अगर कोई पद दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उपयुक्त समझा जाता है तो उसके बाद के पदोन्नति वाले सभी पद भी दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित रहेंगे। ये दिशा-निर्देश दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुरूप हैं। यह कदम दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार (आरपीडब्ल्यूडी) अधिनियम, 2016 के क्रियान्वयन में विसंगतियों को चिह्नित करने और पदों की पहचान में अनधिकृत कार्रवाई के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) जैसी संस्थाओं की आलोचना करने के बाद उठाया गया है।

तीन वर्ष में व्यापक समीक्षा आवश्यक

अदालत ने इसके साथ दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) को समान दिशा-निर्देश बनाने का आदेश दिया। नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य केंद्र सरकार के प्रतिष्ठानों में दिव्यांग व्यक्तियों को रोजगार में समावेशिता, निष्पक्षता और एकरूपता सुनिश्चित करना है। इनके मुताबिक, प्रौद्योगिकीय प्रगति और नौकरी की नई आवश्यकताओं को शामिल करने के लिए चिह्नित पदों की हर तीन वर्ष में व्यापक समीक्षा आवश्यक है। दिशा-निर्देशों में लंबित रिक्तियों को समय पर भरने, व्यापक प्रचार-प्रसार करने व आरक्षण नीतियों से छूट के लिए तीन वर्ष की वैधता अवधि पर भी जोर दिया गया है।

संपादकीय

संभल में हिंसा

जो भीड़ धार्मिक नारे लगाती हुई सर्वे टीम के साथ जा रही थी, पुलिस ने उसे रोका क्यों नहीं? क्या ये सीधे-सीधे प्रशासनिक असफलता नहीं कही जाएगी?

संभल की जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा में तीन लोग मारे गए। सब कुछ इतना तुरत फुरत हुआ कि कोई समझ ही नहीं पाया कि मामला क्या है? संभल की जामा मस्जिद पर कभी कोई विवाद नहीं था। फिर अचानक एक वकील स्थानीय अदालत में मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए उसके सर्वे के लिए याचिका डालते हैं। अदालत याचिका स्वीकार करके फौरन सर्वे की इजाजत दे देती है। एक दिन सर्वे शांतिपूर्वक हो जाता है। फिर रविवार के दिन सर्वे होने की बात कही जाती है। सर्वे की याचिका डालने वाले वकील दल बल के साथ सुबह सवेरे सर्वे टीम के साथ पहुंचते हैं। साथ में चल रहे लोग धार्मिक नारे लगाते हैं। मस्जिद के आसपास भीड़ बढ़ती है। पुलिस और भीड़ में संघर्ष होता है। नतीजा। तीन लोग मारे जाते हैं। तीन लोग किसकी गोली से मरे, यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से सामने आएगा। मौतों पर पीड़ितों और पुलिस के परस्पर विरोधी दावे हैं। सवाल यह है कि आखिर इतनी जल्दी क्या थी सर्वे की? यह भी कि क्या सर्वे इतना महत्वपूर्ण था कि रविवार होने के बाद भी जरूरी था? अदालत न केवल याचिका स्वीकार करती है, बल्कि द प्लेसेज ऑफ वरशिप एक्ट 1991 का उल्लंघन करते हुए मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश देती है। ये कानून बनाया ही इसीलिए गया था कि इतिहास के सही गलत गड़े मुर्दे उखाड़कर आज रोज झगड़े न हों, देश में अमन चैन रहे। इस कानून के तहत पहले से चल रहे राम मंदिर मुकदमे के अलावा बाकी धार्मिक स्थलों पर 1947 की स्थिति बहाल रखनी थी। आखिर उसक कानून की महत्ता ही क्या रह गई? जो भीड़ धार्मिक नारे लगाती हुइ सर्वे करने वालों के साथ जा रही थी, पुलिस ने उसे रोका क्यों नहीं? क्या ये सीधे-सीधे प्रशासनिक असफलता नहीं है? सर्वे का आदेश अदालत का अंतिम आदेश नहीं था। मस्जिद को बुलडोजर से ढहाने का आदेश नहीं था। भीड़ को सर्वे में रुकावट डालने के लिए किसने उकसाया होगा? संभल समेत आसपास के इलाकों में भी तनाव बढ़ गया है। स्कूल कॉलेज बंद हो कर दिए गए हैं। कई दिनों तक कारोबार ठप रहेगा। उन दिहाड़ी मजदूरों को खाने के लाले पड़ जाएंगे, जो रोज कुआं खोदते हैं, रोज पानी पीते हैं। नुकसान सबका है। देश में अमन शांति रहे, इसके लिए सभी को प्रयास करने होंगे। ऐस समय में संभल के जिम्मेदार नागरिकों को आगे आकर अमन चैन स्थापित करने के लिए आगे आना होगा। अशांति सिर्फ नुकसान करेगी।

पाठकवाणी

अडानी मामले की आंच सरकार पर भी

इतिहास अपने आप को दोहराता है और आज राजनीति में तो यह स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है। जब तक कांग्रेस सत्ता में रही बोफोर्स तोप कांड ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। आजकल अदानी को लेकर वही हाल बीजेपी का हो रहा है, जिससे रोज निकलने वाले नए-नए भूत भाजपा के लिए नई-नई परेशानियों की वजह बन रहे हैं। अब एक अमेरिकी एजेंसी ने घूस देने का आरोप लगाकर एक बार फिर भारतीय राजनीति में हड़कंप मचा दिया है। इस आरोप से अदानी समूह को एक बड़ी आर्थिक चपत लगना तय है वहीं सरकार को भी जवाब देने पड़ेंगे। ताजा मामले में अमेरिकी नियामक एजेंसी एसईजी ने अदानी समूह के चेयर में गौतम अडानी और कंपनी के कुछ बड़े अधिकारियों पर वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाकर मामला दायर किया है। एजेंसी का आरोप है कि समूह ने अनुकूल शर्तों के लिए भारतीय अधिकारियों को 2200 करोड रुपए दिए हैं। मामला सौर ऊर्जा से जुड़ा हुआ है। इस घटना का प्रभाव केन्या तक नजर आया और राष्ट्रपति विलियम रूटों ने अपने यहां शुरू होने वाली अदानी की परियोजना को रद्द करने की घोषणा की। निश्चित रूप से मामला गंभीर है और अब इसकी आंच सरकार को भी प्रभावित करेगी। अमेरिका के इस कदम से कांग्रेस और विपक्षी दलों को सरकार पर हावी होने का मौका मिलेगा।

-अमृतलाल मारू 'रवि', इंदौर मध्य प्रदेश

कुछ खास

आनन फानन में याचिका दाखिल होना, तुरंत सर्वे का आदेश होना, तुरंत टीम का पहुंचना, बिना लोगों को विश्वास में लिए सर्वे करना, ऐसा लग रहा है जैसे प्रशासन की पूरी तैयारी थी कि किसी तरह संभल का माहौल खराब किया जा सके।

-इमरान प्रतापगढ़ी, कांग्रेस सांसद

आज का ट्वीट

''हिंसा के इस दौर में कोई भी मरे, गरीब मरेगा, लोग कहेंगे धर्म के नाम पर शहीद हो गया। वो कौन सा जज है जिसने इस तरह से सर्वे का आदेश दिया?''

-आवेश तिवारी

साइबरवर्ल्ड

आरएसएस का गिमिक

महाराष्ट्र और झारखंड के जो नतीजे आए हैं, उन्हें लेकर एक बार फिर चुनाव आयोग पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल तो अपनी जगह मौजू है ही साथ ही साथ एक नए नॅरेटिव के बारे में भी आपसे बात करना चाहता हूं। जब भी भाजपा अप्रत्याशित रूप से चुनाव जीतती है तो यह गिमिक फैलाया जाता है यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परिश्रम का नतीजा है। मैं इस बात से इनकार नहीं करता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहुंच शायद राजनीतिक दलों से ज्यादा है ऐसा नहीं है कि वह सिर्फ जीतने की स्थिति में ही भारतीय जनता पार्टी के लिए कार्य करते हैं। पिछला लोकसभा चुनाव जो भाजपा के उम्मीदवारों के अनुरूप नहीं रहा, उसमें भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मेहनत को आप नजर अंदाज नहीं कर सकते। जब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अप्रत्याशित परिणाम आए तो उसके पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को बताया गया फिर हरियाणा के परिणाम भी यही गिमिक बताया गया और महाराष्ट्र के चुनाव को लेकर भी यही बात की जा रही है। सवाल उठता है झारखंड में ऐसा क्यों नहीं किया गया? दिल्ली में ऐसा क्यों नहीं किया जाता? बंगाल में ऐसा क्यों नहीं किया जाता? दक्षिण के राज्यों में ऐसा क्यों नहीं किया जाता? जब उनके परिश्रम ही जीत और हार का निर्धारण करते हैं, फिर जिन राज्यों में हिंदुत्व बेअसर है, वहां उनके परिश्रम क्यों नतीजा नहीं दे पाते? क्या कोई तंत्र है? क्या कोई ऐसा प्रयोग किया जा रहा है? क्या मशीनों में फेर बदल किया जा रहा है? क्या आयोग कोई गड़बड़ी कर रहा है? जिसकी वजह से जब-जब बीजेपी स्टेक पर लगती है परिणाम उसके अनुकूल आते हैं। लिखने का साहस में इसलिए कर रहा हूं कि दो दिन पूर्व जो आलेख लिखा था, उसमें ऐसी संभावनाएं व्यक्त की गईं थीं और यह भी इंगित किया गया था अपने निष्पक्षता जाहिर करने के लिए किसी एक स्टेट में विपक्षियों को भी जितवाया जा सकता है, जो हमने झारखंड में देखा। सारे पोल सर्वे, सारे विश्लेषक और सारे राजनीतिक चिंतक यह आकलन करने में असफल रहते हैं। कई बार तो जीतने वाले लोग भी अपनी सफलता की उम्मीद नहीं कर पाते हैं और परिणाम सापेक्ष आ जाता है।

-प्रमोद जैन पिंटू की फेसबुक वॉल से

झारखंड में क्यों हारी भाजपा?

शाहीन सबा

झारखंड विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल के पूर्वानुमानों को धता बताते हुए झामुमो तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। बता दें कि इस बार के झारखंड के चुनाव में आइएनडीआइए (इंडिया) और राष्ट्रजेय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) गठबंधनों के बीच सीधी और जबर्दस्त टक्कर हुई। कांटे की इस टक्कर में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया। इस चुनाव में इंडिया गठबंधन की ओर से सबसे ज्यादा झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) कुल 34 सीटें जीत कर सबसे आगे रही। वहीं, कांग्रेस ने 16 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि राष्ट्रजेय जनता दल (राजद) ने 04 और कम्यूनिष्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट-लेनिनिस्ट लिबरेशन) यानी सीपीआई (एमएलएल) ने 02 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफलता प्राप्त की। इस प्रकार देखा जाए तो इंडिया गठबंधन ने राज्य की कुल 81 में से 56 सीटें प्राप्त कर न केवल अपनी सरकार बचा ली है, बल्कि जबर्दस्त वापसी की है। दूसरी ओर एनडीए गठबंधन को झारखंड चुनाव में एक बार फिर भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

एनडीए गठबंधन के लिए सबसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने 21 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू), जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और लोकतांत्रिक जनता पार्टी (लोजपा) रामविलास ने एक-एक सीटों पर जीत दर्ज करने में सफलता पाई है। तात्पर्य यह कि झारखंड विधानसभा चुनाव में एनडीए को कुल 24 सीटें मिली हैं।

एग्जिट पोल में राज्य में बीजेपी और उसकी अगुवाई वाले एनडीए को स्पष्ट तौर पर विजेता के रूप में दिखाया जा रहा था, लेकिन परिणाम बताते हैं कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा और इंडिया गठबंधन ने राज्य की जनता को अपने वादों और दावों के प्रति लुभाने में सफलता प्राप्त करते हुए बंपर जीत हासिल की। वहीं, दूसरी ओर बीजेपी अपनी सारी ताकत झोंकने के बाद भी आदिवासियों समेत राज्य की जनता को इंप्रैस नहीं कर पाई। बता दें कि भाजपा ने झारखंड में चुनावों से पहले 'लव जिहाद' तथा 'लैंड जिहाद' का मुद्दा बेहद जोर-शोर से उठाया था। गौरतलब है कि भाजपा की ओर से की गई हिंदू और मुस्लिम ध्रुवीकरण की कोशिश के बीच हेमंत सोरेन बिल्कुल शांत और उकसाने वाले बयानों से बचते दिखे। यह निश्चित रूप से हेमंत सोरेन की राजनीतिक परिपक्वता को दर्शाता है। हालांकि, उनकी ही पार्टी के कुछ नेता और इंडिया गठबंधन के अन्य घटक दलों के कई नेता कई मौके पर लगातार हिंदू-मुसलमान करते अवश्य देखे और सुने गए। इस प्रकार, राज्य में पूरे चुनावी काल में हिंदू-मुसलमान के नाम पर विष-वमन होता रहा।

चुनावों से ठीक पहले हेमंत सोरेन को जेल से बेल पर छोड़ा जाना भाजपा की सेहत के लिए और घातक हो गया। चुनाव के दौरान हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी ने जम कर पीड़ित कार्ड खेला। झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों में इस बार मतदान प्रतिशत रिकॉर्ड स्तर पर रहा। बता दें कि राज्य की 26 आरक्षित सीटों में से 21 सीटों पर जेएमएम प्रत्याशी विजयी हुए।

इन सबके बीच भाजपा का एजेंडा झारखंड में पूरी तरह से फेल होता हुआ दिखाई दिया, जबकि भाजपा ने राज्य में चुनाव प्रचार में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों ने ही लाइव रैलियां कीं। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह से लेकर तमाम स्टार प्रचारकों ने कमान संभाल रखी थी। यहां तक कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा राज्य में दो महीने तक जमे रहे, जिन्होंने बांग्लादेश से 'घुसपैठियों' को आने देने के लिए सोरेन सरकार पर जोरदार हमले किए। गौरतलब है कि भाजपा ने अपनी रैलियों में झारखंड की 'माटी, बेटी और रोटी' का मुद्दा उठाया।

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के भीतर कुछ नए और पुराने नेताओं को लेकर लंबे समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि राज्य के भावी मुख्यमंत्री के रूप में किसे नेतृत्व सौंपा जाए- नए, तेज-तर्रार और युवा नेता को अथवा पुराने, स्थापित और मजे हुए नेता को। ऐसा बताया जाता है कि पार्टी के भीतर कलह और मनमुटाव जारी रहने के कारण इस बात पर एक राय नहीं बन पाई कि झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले उसकी ओर से किस नेता को मुख्यमंत्री के तौर पर प्रस्तुत किया जाए। यही कारण है कि बड़ी संख्या में राज्य की गैर-आदिवासी जनता ने भी उसे नकार दिया। बता दें कि किसी भी कार्य में अनिर्णय की स्थिति गलत या बुरे निर्णय से भी अधिक घातक मानी जाती है। राजनीति में तो यह बिल्कुल ही नहीं चलने वाली। इसलिए अब कम-से-कम भाजपा को इसे गंभीरता से लेना होगा और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए इस बात पर प्राथमिकता से विचार करते हुए पार्टी की ओर से राज्य को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास करना ही होगा, अन्यथा पार्टी चाहे जितने भी प्रयास क्यों न कर ले, 2024 दोहराने के लिए राज्य की जनता हमेशा बाध्य होती रहेगी।

यह एक कड़वा सच है कि झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के भीतर ऐसे प्रभावशाली चेहरे का बेहद अभाव है, जो जनता को प्रभावित कर अपनी ओर आकर्षित कर सके। जिस प्रकार, उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी को विजयी बनाने की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रखी है और जिस प्रकार हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पार्टी के लिए एक जिम्मेदार चेहरा हैं, वैसे ही चुनाव से पहले झारखंड में भी पार्टी को भावी मुख्यमंत्री के रूप में एक जिम्मेदार चेहरा पेश करना चाहिए था। गौरतलब है कि ऐसा नहीं करके भाजपा ने एक प्रकार से अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारी है, जबकि विपक्ष की ओर से तो पहले ही दिन से यह बिल्कुल साफ कर दिया गया था कि यदि इंडिया गठबंधन ने चुनाव जीता तो उनकी ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा हेमंत सोरेन ही होंगे। हालांकि, ऐसा नहीं है कि भाजपा के भीतर ऐसे लोगों का अभाव है। गौर करें तो पार्टी के भीतर कई नेता हैं, जो हेमंत सोरेन को कड़ी टक्कर देने में सक्षम हैं। यहां तक कि कुछ नेता तो उनसे बेहतर परफॉरमेंस करने की क्षमता और कौशल भी रखते हैं, लेकिन पार्टी की ओर से उन्हें आगे नहीं करने के कारण चुनाव के दौरान मतदाताओं के बीच इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही कि एनडीए का नेतृत्व कौन करेगा।

गौरतलब है कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 31 जनवरी को 8.36 एकड़ जमीन के अवैध कब्जे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। जब हेमंत सोरेन जेल में थे, तो उन्होंने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को पीड़ित कार्ड खेलने के लिए प्रेरित किया, जिसके पश्चात कल्पना राज्य की आदिवासी जनता के बीच जाकर उनसे अपने विरुद्ध भाजपा शासन द्वारा साजिशें किए जाने की बात बताती रहीं। दूसरी ओर भाजपा इस भ्रम में बैठी रही कि उसकी रणनीति राज्य के विधानसभा चुनाव में सफल हो जाएगी। ऊपर से महत्वपूर्ण चुनावों से ठीक पहले हेमंत सोरेन को जेल से बेल पर छोड़ा जाना भाजपा की सेहत के लिए और घातक हो गया। चुनाव के दौरान हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी ने जम कर पीड़ित कार्ड खेला। झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों में इस बार मतदान प्रतिशत रिकॉर्ड स्तर पर रहा। बता दें कि राज्य की 26 आरक्षित सीटों में से 21 सीटों पर जेएमएम प्रत्याशी विजयी हुए, जो यह दर्शाता है कि राज्य के आदिवासी मतदाताओं ने भाजपा को इस चुनाव में बुरी तरह से नकार दिया है।

अमृतवाणी

कठिन डगर

युग चाहे कोई भी हो, सदैव जीवन-मूल्य ही इंसान को सभ्य सुसंस्कृत बनाते हैं। किंतु हमारे बरसों के जमे जमाए उटपटांग आचार-विचार के कारण जीवन में सार्थक जीवन मूल्यों को स्थापित करना अत्यंत कष्टकर होता है। हम इतने सुविधाभोगी होते हैं कि सदाचार अपनाना हमें दुष्कर प्रतीत होता है। तब हम घोषणा ही कर देते हैं कि साधारण से जीवन में सत्कर्मों को अपनाना असंभव है। फिर शुरू हो जाते हैं हमारे बहाने। जैसे, 'आज के कलयुग में भला यह संभव है?' या 'तब तो फिर जीना ही छोड़ दें।' 'आज कौन है, जो यह सब निभा सकता है?, सदाचार को अंगीकार कर कोई जिंदा ही नहीं रह सकता।' कोई सदाचारी मिल भी जाए, तो मन में संशय उत्पन्न होता है। संशय का समाधान हो जाए, तब भी उसे संदिग्ध साबित करने का हमारा प्रयास प्रबल हो जाता है। हम अपनी बुराइयों को सदैव ढककर ही रखना चाहते हैं। जो थोड़ी-सी अच्छाइयां हों, तो उसे तिल का ताड़ बनाकर प्रस्तुत करते हैं। बुराइयां ढलान का मार्ग होती हैं, जबकि अच्छाइयां चढ़ाई का कठिन मार्ग। इसलिए बुराई की तरफ ढल जाना आसान होता है, जबकि अच्छाई की तरफ बढ़ना अति कठिन श्रमयुक्त पुरुषार्थ। अच्छा कहलाने का श्रेय सभी लेना चाहते हैं, पर जब कठिन श्रम की बात आती है, तो शॉर्ट-कट ढूंढते हैं। किंतु सदाचार और गुणवर्धन के श्रम का कोई शॉर्ट-कट विकल्प नहीं होता। यही वह कारण है, जब हमारे सम्मुख सद्विचार आते हैं, तो अतिशय लुभावने प्रतीत होने पर भी तत्काल मुंह से निकल पड़ता है, 'इस पर चलना बड़ा कठिन है।'

तीखी नजर

ना बंटे, ना कटे

राजेंद्र शर्मा

कोई कुछ भी कहे, योगी जी की बात सही साबित हो गयी। यूपी में वोट नहीं बंटे। सब के सब एक ही फूल निशान पर पड़े। और वोट नहीं बंटे, तो योगी जी के कब्जे से सीटें क्यों कटतीं? सीटें कटना तो दूर रहा, ना बंटने से कुंदरकी जैसे चमत्कार हो गए। वोट किसी का और सीट किसी की? जो योगी जी के बंटोगे तो कटोगे को मुसलमानों के खिलाफ सांप्रदायिक नारा बताते हैं, क्या उनके पास कुंदरकी चमत्कार का कोई जवाब है? योगी जी का नारा अगर सिर्फ मुसलमानों के खिलाफ होता, तो क्या कुंदरकी चमत्कार हो सकता था। सिर्फ हिंदुओं के नहीं बंटने से तो कुंदरकी चमत्कार हो नहीं सकता था। कुंदरकी में, जहां मुसलमानों का वोट 60 फीसद से ज्यादा है, सिर्फ हिंदुओं के नहीं बंटने से तो ऐसा चमत्कार हो नहीं सकता था। यह दूसरी बात है कि योगी जी की पार्टी के उम्मीदवार के एक लाख से ज्यादा वोट से जीतने का चमत्कार सिर्फ मुसलमानों के वोट बंटने से भी नहीं हो सकता था। माना कि मुसलमानों के वोट बंटे और समाजवादी वालों के वोट कटे, पर इतने से भी कुंदरकी वाला चमत्कार नहीं हो सकता था। कुंदरकी वाला और दूसरी कई जगहों का चमत्कार इसलिए हुआ कि वोट बंटे ही नहीं। जब इकतरफा वोट पड़े तो योगी जी की लिस्ट से विधायक बनने वालों के नाम कैसे कटते। और अब जब विपक्ष वालों के साथ उपचुनाव में ज्यादा आसन बंटे ही नहीं हैं, तो योगी जी के पत्ते क्यों कटेंगे। योगी जी सेफ हैं, जैसाकि मोदी जी का मंत्र है--वोट इकतरफा पड़े हैं, तो सेफ हैं!

अब प्लीज कोई बाल की खाल मत निकालने लगना कि वोट इकतरफा हुआ कैसे? वोट इकतरफा पड़ा है या जोर-जबर्दस्ती से इकतरफा पड़वाया गया है? सिर्फ पुलिस के डंडों से कुंदरकी के लेवल का चमत्कार संभव नहीं है। उसके लिए मशीन का सहयोग भी जरूरी है। खैर! क्या फर्क पड़ता है कि वोट राजी-राजी इकतरफा पड़ा है, या डंडे से लेकर मशीन तक के सहारे इकतरफा कराया गया है। मकसद तो वोट के एक रहने से है। वोटर एक हों न हों, उनके वोट का एक रहना जरूरी था। बल्कि वोटर तो बंटे रहें तो ही बेहतर है। वोटर बंटे रहेंगे, तभी तो कटेंगे का डर काम करेगा; पर वोट एक रहने चाहिए। वोट एक रहेंगे, तभी तो योगी जी सेफ रहेंगे। और हां मोदी जी भी। योगी जी यूपी में सेफ और मोदी जी दिल्ली में सेफ, महाराष्ट्र में कुंदरकी की टक्कर के चमत्कार के जरिए। हमें पता है कि अर्बन नक्सल कहेंगे कि यह तो डेमोक्रेसी नहीं है। यह सिंपल डेमोक्रेसी नहीं है, जैसी डेमोक्रेसी अंगरेजी में पढ़ाई-सिखाई जाती है। यह डेमोक्रेसी की मदर है। सिंपल डेमोक्रेसी बांटती है, इलाकों में, पार्टियों में, वोटरों में। पर मदर तो मदर है, वह अपने बच्चों को बंटते नहीं देख सकती है। बच्चे बंटना चाहेंगे, तब भी उन्हें बंटने नहीं देगी। जरूरत पड़ी तो सख्ती भी दिखाएगी, छड़ी भी चलाएगी, पर बंटने नहीं देगी।

कुंदरकी मॉडल असल में डेमोक्रेसी की मदर के आंचल के तले ही आ सकता है। यह डेमोक्रेसी की उच्चतर अवस्था है, जहां सारे वोट एक जगह डलवा दिए जाते हैं। पर मदर जी की डैमोक्रेसी की उच्चतम अवस्था वह है, जहां चुनाव की, वोट की, किसी की जरूरत ही नहीं रह जाए। सब की तरफ से सिर्फ और सिर्फ एक राय ही आने दी जाए। वोटर सौ टका एक रहेंगे, तभी तो योगी जी, मोदी जी, युगों-युगों तक सेफ रहेंगे।

नजरिया

जाति गोलबंदी और मुफ्त रेवड़ी जीत की गारंटी

अरविंद कुमार संभव

धन, बल, विभाजन और मुफ्तखोरी अब के और आगे आनेवाले चुनावों में खेल के प्रमुख मोहरे रहने वाले हैं और इन सबके बीच ही हमारे लोकतंत्र को येन केन प्रकरेण जीवित रहना पड़ेगा। चेहरा, विकास और सिद्धांत अब कोई मायने नहीं रखता।

अभी हाल के लोकसभा तथा महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के विधानसभा चुनावों पर यदि गहन दृष्टि डाली जाए तो एक नया और बड़ा परिवर्तन यह देखने को आया कि 2014 से जो चेहरे आधारित चुनाव प्रचार और चुनाव परिणाम का दौर आरम्भ हुआ था वो अब नहीं रहा। इससे पूर्व अब तक के दो लोकसभा एवं एक दर्जन से ज्यादा विधानसभा चुनावों में लगभग सभी चुनाव नरेंद्र मोदी के चेहरे के इर्द-गिर्द लड़े गए थे और भाजपा उनके चेहरे को राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का प्रतीक मानकर मतदाताओं के पास जाती रही और विपक्ष नरेंद्र मोदी को लोकतंत्र, संविधान एवं धर्मनिरपेक्षता का विरोधी बता कर चुनावी बिगुल बजाता रहा। उस दौर में जनता ने नरेंद्र मोदी के चेहरे पर वोट दिया और भारतीय जनता पार्टी एक के बाद एक सफलता की सीढ़ियां चढ़ती रही। विपक्ष के चेहरे राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, मायावती लगातार विफल होते रहे। हां ममता बनर्जी और स्टालिन अपना प्रभाव बचाये रखने में सफल रहे।

2023 आते आते नरेंद्र मोदी का व्यक्तिगत तिलिस्म कमजोर पड़ने लगा और कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल, पंजाब आदि प्रदेशों में भारतीय जनता पार्टी को सफलता हासिल नहीं हो पाई। राष्ट्रवाद और हिंदुत्व भी काम करना बंद हो गया। उधर राहुल गांधी को सामने रख कर चुनाव लड़ने का कांग्रेसी अभियान भी खास सफलता हासिल नहीं कर सका। जहां कहीं कांग्रेस को विजय हासिल हुई वहीं स्थानीय समीकरणों एवं नेताओं के कारण संभव हो सकी। 2023 आते आते सभी दल यह समझ चुके थे कि अब चेहरे और सिद्धांत मतदाताओं को आकर्षित नहीं करते हैं और कुछ नया करने की आवश्यकता है। इसी कड़ी में 'मुफ़्त बांट' शब्द प्रचलन में आया जिसकी शुरूआत मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह ने विधानसभा चुनावों की पूर्व संध्या से की। इसमें महिलाओं के खाते में प्रत्येक माह एक निश्चित राशि डाली जाने लगी। इसका बड़ा व्यापक असर हुआ और एंटी इंकंबेंसी को धता बतलाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अनपेक्षित विजय हासिल कर ली। यही प्रयोग महाराष्ट्र में शिन्दे सरकार ने लाडली बहना योजना लाकर तथा झारखंड में सोरेन सरकार ने मैया योजना लाकर किया और चुनावों में व्यापक सफलता प्राप्त की।

अब आगे आने वाले चुनावों में सभी सरकारें और दल इसी लाइन पर चलकर अपने अपने शासन में चुनावों से ठीक पहले ऐसी ही मुफ़्त वाली योजनाएं लाया करेंगे और एंटी इंकंबेंसी पर पार पाते हुए चुनाव जीत जाएंगे। चुनाव जीतने के लिए जनता से करों के रूप में प्राप्त धनराशि को मतदाताओं में मुफ़्त में बांटना एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बहुत ही खतरनाक संकेत है। इससे विकास, रोजगार, शिक्षा की जनकल्याणकारी परिकल्पना पर अंकुश लग सकता है। जनता को मुफ्तखोरी की आदत डालना देश को अराजकता की और धकेलने की गंभीर गलती भी सिद्ध हो सकती है।

दूसरा प्रयोग जो मुख्यतः भारतीय जनता पार्टी ने और गौण रूप से विपक्ष ने किया वह था किसी प्रदेश के अपने विरोधी सशक्त जाति समूह के विरुद्ध अन्य जाति समूहों को अपने पक्ष में चुपचाप गोलबंद करना। इंडिया गठबंधन ने यह प्रयोग अभी के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश और राजस्थान में सफलता से किया और अब विधानसभा चुनावों में वही प्रयोग भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में जाटों के विरुद्ध अन्य को गोलबंद करके तथा महाराष्ट्र में मराठों एवं मुस्लिम के विरुद्ध अन्य को एकबद्ध करके सफलता हासिल की। झारखंड में यही गोलबंदी आदिवासियों और अनुसूचित जाति - जनजातियों ने 'गैर भूमी पुत्रों' (बाहरी) के विरुद्ध कर-के इंडिया गठबंधन को बहुमत दिलाया। जैसे जैसे वक्त बदला है वैसे वैसे चुनावी अभियान के करतब भी बदले हैं। अब नेता लोग ज्यादा रैलियां या सभाएं करने पर जोर नहीं देकर निचले स्तर पर संपर्क एवं व्यवस्था करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। रैलियों में लोग अब आते भी नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों में भी अब उतनी भीड़ दिखाई नहीं देती जितनी पहले होती थी। माइक्रोलेवल बूथ मैनेजमेंट की धारण भारतीय जनता पार्टी ही चुनावों में लेकर आयी थी। अन्य दल भी अब इसी लाइन पर अपना चुनावी अभियान चलाने को मजबूर हो रहे हैं। यह और बात है कि अधिकांश विपक्षी दलों के पास बूथ लेवल पर कार्यकर्ता ही नहीं हैं। चुनावों में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए शराब, भोजन, कंबल, साड़ी पहुंचाने का काम तो बहुत पहले से ही होता आया है किंतु इस बार महाराष्ट्र के चुनावों में बहुत भारी मात्रा में धन का प्रवेश होते भी सुना गया है। पैसा बांटने के वीडियो भी न्यूज चैनलों पर आए हैं। विभिन्न स्थानों और व्यक्तियों से बहुत बड़ी मात्रा में धनराशि जब्त भी की गई है।

तो धन, बल, विभाजन और मुफ्तखोरी अब के और आगे आनेवाले चुनावों में खेल के प्रमुख मोहरे रहने वाले हैं और इन सबके बीच ही हमारे लोकतंत्र को येन केन प्रकरेण जीवित रहना पड़ेगा। चेहरा, विकास और सिद्धांत अब कोई मायने नहीं रखता।

जयसवाल,कोहली के शतक के बाद बुमराह ने फिर बरपाया कहर

भारत ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 487 के स्कोर पर पारी घोषित कर ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए दिया 534 रनों का लक्ष्य

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर बनाए 12 रन, अभी भी 522 रन पीछे

● पर्थ,

यशस्वी जयसवाल (161) और विराट कोहली (नाबाद 100) के एल राहुल (77) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को दूसरी पारी में छह विकेट पर 487 के स्कोर पर पारी घोषित कर ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रनों का विशाल लक्ष्य दिया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को दूसरी पारी में भी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के कहर का सामना करना पड़ा। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने 12 रन पर अपने तीन विकेट गवांकर संकट में फंस गयी है। उस्मान ख्वाजा (नाबाद तीन) क्रीज पर मौजूद है।

यहां चायकाल के बाद भारत ने पांच विकेट पर 359 रनों से आगे खेलना शुरु किया। विराट कोहली और नीतीश कुमार रेड्डी ने इस दौरान तेजी के साथ रन बटोरे। विराट कोहली ने 143 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 100) की शतकीय पारी खेली। नीतीश कुमार रेड्डी ने आतिशी अंदाज में 27 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 38) रन बनाये। भारत ने विराट कोहली का शतक बनने के साथ 134.3 ओवर में छह विकेट पर 487 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को बुमराह के कहर का फिर सामना करना पड़ा। बुमराह ने पहले ही ओवर में नेथन मैकस्वीनी (00) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया। इसके बाद चौथे ओवर में कप्तान पैट कमिंस (02) को मोहम्मद सिराज ने विराट कोहली के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में बुमराह ने मार्नस लाबुशेन (03) को पगबाधा कर ऑस्ट्रेलिया को तीसरा झटका दिया। दिन का खेल समाप्त होने के

समय ऑस्ट्रेलिया ने 12 रन पर अपने तीन विकेट गवांकर दिये है। उस्मान ख्वाजा (नाबाद तीन) क्रीज पर मौजूद है। इससे पहले भोजनकाल के बाद देवदत्त पडिक्कल (25) दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। उन्होंने यशस्वी के साथ 74 रन की साझेदारी की। 94वें ओवर में मिचेल मार्श ने यशस्वी को आउट किया। यशस्वी ने 297 गेंदों में 15 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (161) रनों की पारी खेली। भारत ने 313 के स्कोर पर दो विकेट गंवाए थे। लेकिन इसके बाद 321 स्कोर तक भारत ने पांच विकेट गंवा दिए थे। ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल एक-एक रन बनाकर आउट हुए। भारत ने चायकाल तक पांच विकेट पर 359 रन बना लिये है। भारत ने आज सुबह शनिवार के 172 रनों के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। अभी स्कोर में 29 रन जुड़े थे कि मिचेल स्टार्क ने केएल राहुल (77) को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच आउट करा इस 201 रनों की साझेदारी को तोड़ा। इस दौरान यशस्वी जयसवाल ने अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपने शतक को पूरा करने के लिए 205 गेंदों का सहारा लिया। इसी के साथ वह ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पडिक्कल ने जयसवाल के साथ संभल कर खेलते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया। भोजनकाल तक भारत ने एक विकेट पर 275 रन बना लिये और उसकी बढ़त 321 रनों की हो गई है। भोजनकाल के समय यशस्वी जयसवाल (नाबाद 141) और देवदत्त पडिक्कल (नाबाद 25) रन बनाकर क्रीज पर थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नेथन लायन को दो विकेट मिले। वहीं मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस, जॉश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत की पहली पारी 58.3 ओवर में 150 रन पर सिमट गई थी। नीतीश रेड्डी 41, पंत 37 रनों की पारी खेली थी। तथा ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने 29 रन देकर चार विकेट और मिशेल स्टार्क ने 14 रन देकर दो विकेट झटके थे।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 150 रन

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी : 104 रन

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का स्मिथ बो मार्श	161	297	15	3
केएल राहुल का कैरी बो स्टार्क	77	176	5	0
देवदत्त का स्मिथ बो हेजलवुड	25	71	2	0
विराट कोहली नाबाद	100	143	8	2
पंत स्टंप कैरी बो लायन	01	4	0	0
ध्रुव जुरेल पगबाधा बो कमिंस	01	6	0	0
वॉशिंगटन सुंदर बो लायन	29	94	0	1
नितीश कुमार रेड्डी नाबाद	38	27	3	2

अतिरिक्त : 55 रन

कुल : 134.3 ओवर 487/6 रन पर पारी घोषित

विकेट पतन: 1-201 (केएल राहुल, 62.6 ओवर), 2-275 (देवदत्त पडिक्कल, 84.1 ओवर), 3-313 (यशस्वी जयसवाल, 93.5 ओवर), 4-320 (ऋषभ पंत, 95.1 ओवर), 5- 321 (ध्रुव जुरेल, 96.3 ओवर), 6-410 (वाशिंगटन सुंदर, 125.5 ओवर)

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
मिचेल स्टार्क	26	2	111	1
जोश हेजलवुड	21	9	28	1
पैट कमिंस	25	5	86	1
मिशेल मार्श	12	0	65	1
नाथन लियोन	39	5	96	2
मार्नस लाबुशेन	6.3	0	38	0
ट्रैविस हेड	5	0	26	0

ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
मैकस्वीनी पगबाधा बो बुमराह	00	4	0	0
उस्मान ख्वाजा नाबाद	03	9	0	0
कमिंस का कोहली बो सिराज	02	8	0	0
मार्नस लाबुशेन पगबाधा बो बुमराह	03	5	0	0

अतिरिक्त : 04 रन

कुल : 4.2 ओवर में तीन विकेट पर 12 रन

विकेट पतन: 1-0 (नाथन मैकस्वीनी, 0.4 ओवर), 2-9 (पैट कमिंस, 3.1 ओवर), 3-12 (मार्नस लाबुशेन, 4.2 ओवर)

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
जसप्रीत बुमराह	2.2	1	1	2
मोहम्मद सिराज	2	0	7	1

जिम्बाब्वे ने पाक को वनडे में 80 रनों से हराया

बुलावायो, वार्ता : रिचर्ड एन्गरावा (48), सिकंदर रजा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत जिम्बाब्वे ने रविवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में पाकिस्तान को वर्षा बाधित मैच में 80 रनों से शिकस्त दी। सिकंदर रजा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और उसने तीसरे ही ओवर में अब्दुल्लाह शफीक (01) का विकेट गवां दिया। सईम अयूब (11) आउट होकर पवेलियन लौट गये। दोनों ही बल्लेबाजों को ब्लेसिंग मुजाराबानी ने आउट किया। कामरान गुलाम (17) और इरफान खान (07) को शॉन विलियम्स ने अपना शिकार बनाया। आगा सलमान (04) और हसीबउल्लाह खान (00) को सिकंदर रजा ने आउट किया। बारिश के कारण खेल रोके जाने के समय पाकिस्तान ने 21 ओवर में छह विकेट पर 60 रन बना लिए थे और मोहम्मद रिजवान (नाबाद 19) और आमेर जमाल (00) क्रीज पर थे। लगातार हो रही बारिश के कारण खेल को रद कर दिया और डकवर्थ लुईस पद्धित के आधार पर जिम्बाब्वे को 80 रनों से विजयी घोषित किया गया। जिम्बावे की ओर से सिकंदर रजा ने तीन ओवर में सात रन देकर दो विकेट लिए। शॉन विलियम्स ने छह ओवर में 12 रन देकर दो बल्लेबाजों को आउट किया।

यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया में शतक जड़ बनाए कई रिकॉर्ड

पर्थ, वार्ता : भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक जड़कर रिकॉर्डो के साथ देश के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ अपना नाम दर्ज करा लिया है। यशस्वी जायसवाल का ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर यह पहला और टेस्ट क्रिकेट में चौथा शतक है। उन्होंने अपना यह शतक 205 गेंदों में छक्के के साथ पूरा किया। उन्होंने अपनी इस शतकीय पारी में तीन छक्के और आठ चौके लगाये। इसके साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया में शतक बनाने वाले सुनील गावस्कर (1977), सचिन तेंदुलकर (1992) और विराट कोहली (2018), केएल राहुल (2014-15) के बाद अगली पीढ़ी बल्लेबाज बन गये है। आखिरी बार केएल राहुल ने 2014-15 श्रृंखला के दौरान सिडनी क्रिकेट मैदान में 110 रन बनाए थे। यशस्वी जयसवाल पहले 15 टेस्ट में 1500 रन बनाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज बन गए हैं। वह चेतेश्वर पुजारा के बाद 1500 टेस्ट रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने 28 पारियों में यह उपलब्धित हासिल की। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 201 की साझेदारी कर एक नई उपलब्धि हासिल की है दोनों बल्लेबाजों के बीच हुई।

सार संक्षेप

संतोष ट्रॉफी के लिए मिलिंद नेगी बनाए गए दिल्ली टीम के कप्तान

नई दिल्ली : संतोष ट्रॉफी के लिए सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने वाली दिल्ली राज्य टीम की कप्तानी गढ़वाल हीरोज के कप्तान मिलिंद नेगी करेंगे। मोहित मित्तल को उपकप्तान बनाया गया हैं। प्रशासिनक प्रमुख एकलव्य सिंह द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार अमृतसर में खेली जाने वाली चैंपियनशिप में दिल्ली को अपने पूल में चंडीगढ़, उत्तराखंड और हरियाणा का सामना करना है। चयन समिति के चेयरमैन रिजवान-उल-हक के अनुसार, विक्रांत गुप्ता हेड कोच, अजय कुमार सहायक कोच, और संदीप ढोले गोलकीपर कोच बनाए गए हैं। जोगिदंर रावत अन्य कोच, अजय कुमार मैनेजर और इम्यारिबा पोंगेनर फिजियो का दायित्व निभाएंगे। टीम में सुदेवा के छह और गढ़वाल के पांच खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। दिल्ली की टीम इस प्रकार है:- राजकुमार महतो, सचिन झा, वाहेंगबाम लेजेंड सिंह (गोलकीपर), नितिन भंडारी, रोहमिंगथांबा, सोनम सेबांग होकम, थांगमिनलीन हावोकिप, मिलिंद नेगी, हिमाशु राय, मर्विन खामुनथांग (डिफेंस); कामजिनसी, तौथांग, केएस शिखर, रिशब डोबरियाल, जाजो प्राशान, मोहित मित्तल, लामलालियान, शीजोजफ हावोकिप और रितुराज मोहन (मिडफील्डर), जयदीप सिंह, लाशांबोक बुफांग, आशीष शॉ और जितेंद्र कुमार (फॉरवर्ड)।

रदरफोर्ड ने बनाया अबूधाबी टी-10 का पहला शतक

अबूधाबी : नॉर्दर्न वॉरियर्स की ओर से खेलते हुये शेरफेन रदरफोर्ड ने रविवार को अबूधाबी टी-10 इतिहास में पहला शतक बनाया। यहां खेले गये मुकाबले में बाएं हाथ के वेस्टइंडीज के खिलाड़ी ने यूपी नवाबों के खिलाफ 40 गेंदों में (नाबाद 103) रन बनाए। रदरफोर्ड ने अपनी पारी में 10 छक्के और सात चौके लगाये। रदरफोर्ड के शतक की बदौलत नॉर्दर्न वॉरियर्स ने निर्धारित 10 ओवरों में चार विकेट पर 142 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टी-10 इतिहास का दूसरा शतक है, इससे पहले इस साल की शुरुआत में हरारे में जिम-एफ्रो टी-10 में जॉर्ज मुनसे ने शतक जड़ा था।

फिक्की करेगा खो खो फेडरेशन को 'इंडिया स्पोर्ट्स अवार्ड' से सम्मानित

नई दिल्ली : भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया को खेलों में उनके सराहनीय योगदान के लिए 'इंडिया स्पोर्ट्स अवार्ड 2024' से सम्मानित करेगा। फिक्की ने खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया को 'बेस्ट नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन 2024' चुना है। यह पुरस्कार 14वें 'ग्लोबल स्पोर्ट्स सम्मिट' के दौरान 30 नवम्बर को खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को फिक्की फेडरेशन हाउस में प्रदान किया जायेगा। फिक्की द्वारा भेजे गए पत्र में कहा कि खेलों में आपके उत्कृष्ट योगदान और बेमिसाल समर्पण ने न केवल उत्कृष्ठता में बेंच मार्क स्थापित किया है बल्कि असंख्य खिलाड़ियों को जीवन में ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित किया है यह पुरस्कार खो खो फेडरेशन के अथक परिश्रम ,जूनून, उत्साह तथा देश के खेल मानचित्र में गहरी छाप छोड़ने के लिए प्रदान किया जाएगा।

अंतरा को निशाना बनाने का कारण पहलवान आंदोलन का समर्थन

● चंडीगढ़,

पहलवान और कांग्रेस नेता बजरंग पुनिया ने रविवार को आरोप लगाया कि महिला पहलवान को निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने महिला पहलवानों के शोषण के खिलाफ हुए आंदोलन का समर्थन किया था। पुनिया ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा है कि यह बहुत शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि अंतरा उन महिला पहलवानों में से एक थी जिनसे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अखाड़े में जाकर मिले थे।

उन्होंने कहा कि रविवार को दिल्ली सीनियर स्टेट कुश्ती प्रतियोगिता में फाइनल तक पहुंचने के बावजूद, फेडरेशन के अधिकारियों ने उसे जानबूझकर बाहर कर दिया। अंतरा से व्यक्तिगत द्वेष पाले हुए अधिकारियों ने दोबारा उसके डॉक्यूमेंट वेरिफाई करवाने का ड्रामा किया। सब डॉक्यूमेंट सही पाए जाने पर भी बिना किसी ठोस वजह के अंतरा को फाइनल खेलने से रोक दिया गया। फेडरेशन के अधिकारियों ने अंतरा पर व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए कहा कि 'तुम फेडरेशन के खिलाफ वीडियो डालती और प्रेस में जाती हो।' पुनिया ने जानना चाहा कि क्या महिला पहलवानों की

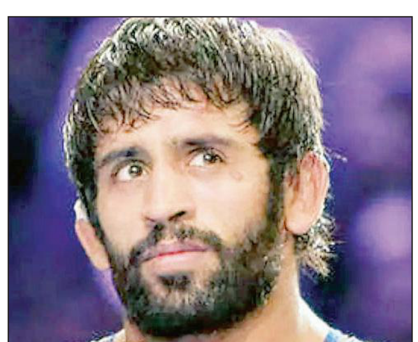

बजरंग पुनिया बोले : फेडरेशन के अधिकारियों ने अंतरा को जानबूझकर बाहर कर दिया

सिर्फ यही गलती है कि वे अन्याय के खिलाफ बोलती हैं? और कहा कि इस भेदभाव और उत्पीड़न के खिलाफ हम सबको आवाज उठानी चाहिए।

ग्रीव्स के शतक से वेस्टइंडीज मजबूत

पहली पारी 450 रन पर घोषित की, बांग्लादेश ने 40 रन पर गवाएं दो विकेट

● एंटीगुआ,

जस्टिन ग्रीव्स (नाबाद 115), मिकाइल लुइस (97) और एलिक अथानाजे (90) की शानदार पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने से पहले नौ विकेट पर 450 रनों पर पारी घोषित करने के बाद बांग्लादेश के 40 के स्कोर पर दो विकेट चटकाकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली हैं।

सर विवियन रिचड्र्स स्टेडियम में खेले जा रहे मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने 20 ओवर 2 विकेट के नुकसान पर 40 रन बनाए हैं। महमूदुल हसन जॉय (पांच) और जाकिर हसन (15) रन बनाकर आउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने के समय मोमिनुल हक (नाबाद सात) और शहादत हुसैन दीपू (नाबाद 10) क्रीज पर थे। मेहमान टीम

अभी मेजबान टीम से 410 रन पीछे है। इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। पहले दिन का खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 84 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 284 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज की ओर से सबसे ज्यादा जस्टिन ग्रीव्स 206 गेंदों में (नाबाद 115) रनों की पारी खेली। वहीं मिकाइल लुइस 218 गेंदों में 97 रन बनाए। एलिक अथानाजे ने (90) रनों की शानदार पारी खेली। केमर रोच (47) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद दूसरे दिन वेस्टइंडीज ने नौ विकेट पर 450 रन पर अपनी पारी घोषित कर दी। वहीं बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद 87 रन देकर तीन विकेट लिये। तस्कीन अहमद और मेहदी हसन मिराज को को दो-दो विकेट तथा तैजुल इस्लाम को एक विकेट मिला। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं और उसने 21 के स्कोर तक अपने दो विकेट गवां दिये थे। महमूदुल हसन जॉय (05) और जाकिर हसन (15) रन बनाकर आउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने के समय मोमिनुल हक (नाबाद सात) और शहादत हुसैन दीपू (नाबाद 10) क्रीज पर थे। वेस्टंडीज की ओर से जेडन सील्स, अल्जारी जोसेफ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे बिके ऋषभ पंत

लखनऊ सुपर जाइंट्स ने पंत को 27 करोड़ में और श्रेयर अय्यर को पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा

● जेद्दा,

लखनऊ सुपर जाइंट्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सत्र लिए हुई नीलामी भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बोली लगा कर खरीदा। वहीं दूसरे नंबर पर श्रेयस अय्यर 26 करोड़ 75 लाख रुपये में बिके। उन्हें पंजाब किंग्स ने खरीदा।

आईपीएल 2025 की नीलामी में कुल 577 खिलाड़ी शामिल है। इसमें 367 भारतीय और 210 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। सऊदी अरब के जेद्दा में 24और 25 नवंबर को चलने वाली नीलामी में पंत के लिये सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ के बीच जमकर बोली लगी। लखनऊ ने आखिरी बोली 27 करोड़ रुपये की लगाई। इससे पहले अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26 करोड़ 75 लाख रुपये में खरीदा। के.एल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की टीम ने खरीदा। अर्शदीप सिंह मेगा नीलामी में खरीदे जाने वाले पहले खिलाड़ी बने, उन्हें

चेन्नई ने धौनी चार करोड़ रुपये में किया रिटेन
केएल राहुल को दिल्ली ने 14 करोड़ में खरीदा
शमी को सनराइजर्स हैदराबाद ने 10 करोड़ में खरीदा

पंजाब ने आरटीएम के द्वारा 18 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। वेंकटेश अय्यर को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 23.75 करोड़ में खरीदा। पंजाब ने अय्यर के अलावा अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल को 18-18 करोड़ में खरीदा। केएल राहुल को दिल्ली ने 14 करोड़ में खरीदा। रविचंद्रन अश्विन की घर वापसी हुई। चेन्नई सुपरकिंग्स ने 9.75 करोड़ में खरीदा। मोहम्मद शमी को सनराइजर्स हैदराबाद ने 10 करोड़ में खरीदा। मोहम्मद सिराज को 12.25 करोड़ में गुजरात टाइटंस ने खरीदा। मिचेल स्टार्क को 11.75 करोड़ रुपये में दिल्ली ने खरीदा। कगिसो रबाडा को गुजरात टाइटन्स ने 10.75 करोड़ में खरीदा। जोस बटलर 15.75 में गुजरात टाइटन्स के हुए। लियाम लिविंगस्टोन को रॉयल चैलेंजर्स बेंगुलरु ने 08.75 करोड़ रूपये में खरीदा। एडन मारक्रम लखनऊ सुपर जायंट्स ने दो करोड़ रुपये में खरीदा।

पंजाब किंग्स ने शशांक सिंह को 5.5 करोड़ रुपये में, प्रभसिमरन सिंह को चार करोड़ में लखनऊ सुपर जायंट्स ने निकोलस पूरन को 21 करोड़ रुपये में, रवि बिश्नोई को 11 करोड़ में, मयंक यादव 11 करोड़ में, मोहसिन खान चार करोड़ में, आयुष बदोनी चार करोड़ रुपये में रिटेन किया। गुजरात टाइटन्स ने राशिद खान को 18 करोड़ रुपये में, शुभमन गिल 16.50 करोड़ में, साई सुदर्शन 8.50 करोड़ रुपये, राहुल तेवतिया चार करोड़ में, शाहरुख खान चार करोड़, राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन 18 करोड़ में, यशस्वी जायसवाल 18 करोड़ रुपये में, रियान पराग 14 करोड़ में, ध्रुव जुरेल 14 करोड़ में, शिमरोन हेटमायर 11 करोड़ में, संदीप शर्मा चार करोड़ रूपये में रिटेन किया। कोलकाता नाइट राइडर्स रिंकू सिंह 13 करोड़, वरुण चक्रवर्ती 12 करोड़, सुनील नरेन 12 करोड़, आंद्रे रसेल 12 करोड़, हर्षित राणा चार करोड़, रामनदीप सिंह चार करोड़ रुपये में। दिल्ली कैपिटल्स अक्षर पटेल 16.50 करोड़, कुलदीप यादव 13.25 करोड़, ट्रिस्टन स्टब्स 10 करोड़, अभिषेक पोरेल चार करोड़। सनराइजर्स हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन 23 करोड़, पैट कमिंस 18 करोड़, अभिषेक शर्मा 14 करोड़, ट्रैविस हेड 14 करोड़, नितीश कुमार रेड्डी छह करोड़ रुपये। चेन्नई सुपरकिंग्स रुतुराज गायकवाड़ 18 करोड़, रवींद्र जडेजा 18 करोड़ मथीशा पथिराना 13 करोड़, शिवम दुबे 12 करोड़, एमएस धौनी चार करोड़ रुपये में। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने विराट कोहली 21 करोड़, रजत पाटीदार 11 करोड़, यश दयाल पांच करोड़ रुपये में रिटेन किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)